आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 162 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, सोमवार, 16 जून, 2025

पुणे में इंद्रायणी नदी पर बना पुल टूटा :हादसे में 4 लोगों की मौत, 18 घायल; 41 को बचाया गया

एजेंसी ● पुणे

महाराष्ट्र के पुणे जिले के मावल तहसील के कुंडमाला गांव के पास में रविवार को दोपहर 3:30 बजे इंद्रायणी नदी पर बना पुल ढह गया। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों के मुताबिक हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 घायल हैं। NDRF की टीमों ने 41 लोगों का रेस्क्यू किया। कुछ लोग अब भी लापता है। इससे पहले हादसे के बाद घटना स्थल पर पहुंचे विधायक सुनील शेलके ने दावा किया था कि 6 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि CM देवेंद्र फडणवीस और पुणे जोन 2 के DCP ने 2 लोगों की मौत की पुष्टि की है। 2 लोगों की मौत हॉस्पिटल में इलाज के दौरान हुई। बताया जा रहा है कि यह हादसा उस वक्त हुआ, जब कई लोग नदी के तेज बहाव को देखने के लिए खड़े थे। पुणे से कुंडमाला की दूरी 30 किमी है। यह जगह मुंबई के रास्ते में एक्सप्रेसवे में एंट्री करने से पहले स्थित है। वीकेंड पर यहां हजारों की संख्या में लोग पहुंचते हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह पुल पहले से ही बहुत खराब और जर्जर स्थिति में था। हादसे के समय पुल पर क्षमता से अधिक पर्यटक मौजूद थे। लोग टू-व्हीलर और मोटरसाइकिल ले जा रहे थे। इसी वजह से पुल भार सहन नहीं कर सका।

पीएम मोदी और गृह मंत्री ने CM फडणवीस से की बात

महाराष्ट्र के पुणे जिले में इंद्रायणी नदी पर पुल ढहने से हुए हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बात की है। उन्हें प्रभावित लोगों की सहायता के लिए चल रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई। पुणे जिले के तालेगांव के पास हुए हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और 18 लोग घायल हैं। पुणे के जिला कलेक्टर जितेंद्र डूडी ने कहा कि अब तक 38 लोगों को बचाया गया है, जिनमें से 30 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि छह अन्य गंभीर रुप से घायल हैं। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बात की है। इसे लेकर गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा - पुणे के तालेगांव में इंद्रायणी नदी पर पुल ढहने की दुखद घटना से बहुत दुखी हूं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बात की और जमीनी हालात के बारे में जानकारी ली। पास में तैनात NDRF की टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं, बचाव अभियान में शामिल हुईं और उल्लेखनीय तत्परता से कई लोगों की जान बचाई। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति हार्दिक संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

कान्हा टाइगर रिजर्व बाघों का सर्वश्रेष्ठ आवास क्षेत्र घोषित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से कान्हा टाइगर रिजर्व की ऊंची उड़ान

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के वन अभ्यारण्य के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों को अब राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। कान्हा टाइगर रिजर्व को बाघों का सर्वश्रेष्ठ आवास घोषित किए जाने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन अमले को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि अन्य रिजर्व भी इस दिशा में सकारात्मक पहल करेंगे। भारतीय वन्य-जीव संस्थान, देहरादून द्वारा जारी की गयी रिपोर्ट के अनुसार कान्हा टाइगर रिजर्व में शाकाहारी वन्य-प्राणियों की संख्या देश में सबसे अधिक है। कान्हा टाइगर रिजर्व को देश में बाघों का सर्वश्रेष्ठ आवास क्षेत्र घोषित किया गया है। कान्हा टाइगर रिजर्व प्रदेश के मण्डला जिले में स्थित है। इसका कुल क्षेत्रफल 2074 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें 917.43 वर्ग किलोमीटर कोर क्षेत्र और 1134 वर्ग किलोमीटर में बफर जोन शामिल है। कान्हा टाइगर रिजर्व वन्य-जीव सम्पदा संरक्षण में देश में सर्वश्रेष्ठ है।

भारतीय वन्य-जीव संस्थान, देहरादून द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार कान्हा टाइगर रिजर्व में शाकाहारी वन्य-जीवों की संख्या 1 लाख 2 हजार 485 है। इनका प्रति वर्ग किलोमीटर घनत्व 69.86 आंका गया है। अभयारण्य का कुल बायोमास 12.6 लाख किलोग्राम 8602.15 किलोग्राम/वर्ग किलोमीटर है। कान्हा टाइगर रिजर्व में चीतल, सांभर, गौर, जंगली सुअर, बार्किंग डियर, नीलगाय और हॉग डियर की बहुतायत है। इस आधार पर इस रिपोर्ट में कान्हा टाइगर रिजर्व को बाघों

की बढ़ती आबादी के लिये एक आदर्श निवास घोषित किया है। यहाँ विविध शाकाहारी प्रजातियों की संख्या में लगातार आनुपातिक वृद्धि से यह जैविक रूप से सबसे समृद्ध और संतुलित वन्य-जीव पारिस्थितिकी तंत्र बन गया है।

प्रबंधन रणनीतियाँ बनी सफलता की आधारशिला

कान्हा टाइगर रिजर्व अपनी प्रबंधन नीतियों के कारण आदर्श बाघ निवास बन सका है। यहाँ वर्षभर घास भूमियों की देखरेख, जल स्रोतों का निर्माण, झाड़ियों की सफाई, लांटाना जैसी घासों का उन्मूलन और बाघ-आहार प्रजातियों की संख्या बढ़ाने के लिये आवास सुधार के कार्य जारी रहते हैं। गर्मियों में जल संकट से निपटने के लिये कृत्रिम जलकुंड, सोलर बोरवेल्स और तालाबों का गहरीकरण एवं साफ-सफाई नियमित रुप से की जाती है। अभयारण्य क्षेत्र में M-STriPES मोबाइल ऐप पर सतत निगरानी रखी जाती है। अभयारण्य में अप्रैल-2025 में 88,600 किलोमीटर क्षेत्र में गश्ती निगरानी की गयी, जो देश में सबसे अधिक है।

अभयारण्य के कोर क्षेत्र से गाँवों के स्थानांतरण के बाद पुनर्जीवित घास-भूमियों ने वन्य-जीवों को बिना मानवीय हस्तक्षेत्र के फलने-फूलने का अवसर दिया। अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्रों से कम घनत्व वाले क्षेत्रों में चीतल जैसी प्रजातियों का स्थानांतरण किया गया और विभिन्न घास-भूमियों को जोड़ने वाले गलियारे बनाये गये इससे बारहसिंगा, चीतल और गौर जैसी प्रजातियों को मुक्त रुप से विचरण की स्वतंत्रता मिलती है।

वनकर्मियों को नियमित प्रशिक्षण एवं डब्ल्यूआईआई, देहरादून से तकनीकी मार्गदर्शन से आंकड़ों की विश्वसनीयता और वैज्ञानिकता सुनिश्चित की गयी। बंजर घाटी में पहले से अधिक घनत्व होने के कारण हालन घाटी में घास-भूमि के विकास और प्रजातियों के सतत स्थानांतरण के जरिये शाकाहारी प्रजातियों की संख्या में निरंतर वृद्धि हुई है।

कान्हा टाइगर रिजर्व विविध आवास प्रकारों और सशक्त प्रबंधन से देश के अभयारण्यों में शीर्ष पर है। यहाँ के उच्च बायोमास, संतुलित प्रजाति वितरण और न्यूनतम मानव-वन्य-जीव संघर्ष इसे अन्य अभयारण्यों के लिये मॉडल बनाता है।

22.44 करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों की देंगे सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को जबलपुर से लाडली बहनों के खाते में अंतरित करेंगे राशि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार 16 जून को जबलपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र बरगी के ग्राम बेलखेड़ा में आयोजित राज्य स्तरीय लाड़ली बहना एवं महिला सम्मेलन में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, संबल योजना और सिलेंडर रिफिलिंग योजना में हितग्राहियों के खातों में जून माह की राशि अंतरित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश की 1करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना की जून माह की किस्त 1551 करोड़ 44 लाख रूपये अंतरित करेंगे। लाड़ली बहनों को मिलने वाली यह 25वीं किश्त है। योजना में प्रत्येक लाड़ली बहना को प्रत्येक माह 1250 रूपये की राशि उनके खातों में अंतरित की जाती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव लाड़ली बहना एवं महिला सम्मेलन में 56 लाख 68 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 341 करोड़ रूपए की राशि, 27 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रिफिलिंग की 39.14 करोड़ रुपए की राशि तथा मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना में 6 हजार 821 श्रमिक परिवारों की 150 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि का भी सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के लाभार्थियों को हितलाभ वितरण करने के साथ ही लगभग 22 करोड़ 44 लाख रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी करेंगे। इनमें 15 करोड़ 09 लाख रुपये की लागत के पाँच निर्माण कार्यों का लोकार्पण तथा 7 करोड़ 43 लाख रुपये के तीन निर्माण कार्यों का भूमिपूजन करेंगे।

सम्मेलन में जिन निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया जायेगा उनमें बरगी विधानसभा क्षेत्र के घाट पिपरिया में 4 करोड़ 18 लाख 08 हजार रुपये से निर्मित आदिवासी कन्या छात्रावास भवन, शहपुरा आईटीआई में 2 करोड़ 89 लाख 44 हजार रुपये से नवनिर्मित भवन, बेलखेड़ा में 4 करोड़ 47 लाख 93 हजार रुपये से निर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन, शहपुरा विकासखण्ड के ग्राम पिपरिया कला में 2 करोड़ 95 लाख 45 हजार रुपये से निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा में 50 लाख रुपये से बना भवन शामिल है। इसी प्रकार जिन निर्माण कार्यों का भूमिपूजन होगा, उनमें ग्राम सुन्दरादेही में 1 करोड़ 39 लाख 29 हजार रुपये से बनने वाला शासकीय हाई स्कूल भवन, बेलखेड़ा में 4 करोड़ 04 लाख रुपये से बनने वाला जनजातीय सीनियर कन्या छात्रावास भवन तथा नारायणपुर घाना में 2 करोड़ रुपये से बनने वाला संभाग स्तरीय सामुदायिक भवन शामिल है।

गौरीकुंड में हेलिकॉप्टर क्रैश, 7 लोगों की मौत

हेलिकॉप्टर सर्विस रोकी; पैदल रुट पर मलबा गिरने से यात्री की मौत, चारधाम यात्रा रुकी

एजेंसी ● गौरीकुंड

केदारनाथ के पास गौरीकुंड में रविवार सुबह करीब 5:20 बजे हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इसमें पायलट समेत सभी 7 यात्रियों की मौत हो गई। मरने वालों में महाराष्ट्र का 2 साल का बच्चा भी शामिल है।

हेलिकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर केदारनाथ मंदिर से गौरीकुंड के लिए उड़ा था। प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि घाटी में बादल थे और विजिबिलिटी ठीक नहीं थी, फिर भी हेलीकॉप्टर उड़ाया गया। यह आर्यन एविएशन कंपनी का था। हादसे के बाद चार धाम यात्रा हेलिकॉप्टर सर्विस पर रोक लगा दी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हेली सर्विस के संचालन को लेकर सख्त नियम बनाए जाएंगे। इसमें हेलिकॉप्टर की तकनीकी स्थिति की जांच और उड़ान से पूर्व मौसम की सटीक जानकारी लेना अनिवार्य होगा।

इधर, जंगलचट्टी के पास खड्ड में मलबा और पत्थर गिरने से श्री बाबा केदारनाथ धाम जाने वाला रास्ता क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम जाने वाले रूट को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। पैदल मार्ग से यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं, जिनमें सड़क क्षतिग्रस्त होने से पहले केदारनाथ धाम के लिए रवाना हो चुके श्रद्धालु भी शामिल हैं, उनकी प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

केदारनाथ से लौटते समय हादसा हुआ

हेलिकॉप्टर में यूपी-महाराष्ट्र के 2-2 और उत्तराखंड, गुजरात के 1-1 यात्री थे। पायलट राजवीर सिंह चौहान जयपुर, राजस्थान के रहने वाले थे। गौरीकुंड से NDRF और SDRF की रेस्क्यू टीमों को भेजा गया है। IG गढ़वाल राजीव स्वरुप ने बताया कि आग में झुलसने की वजह से डेड बॉडी को आईडेंटिफाई करने में मुश्किल हो रही है। मृतकों का DNA टेस्ट होगा, उसके बाद ही शव परिजन को सौंपेंगे।

हेलिकॉप्टर क्रैश में जान गंवाने वालों की जानकारी

1. पायलट राजवीर सिंह (जयपुर, राजस्थान) 2. विक्रम सिंह रावत (ऊखीमठ, उत्तराखंड) 3. विनोद देवी (उत्तर प्रदेश) 4. तृष्टि सिंह (उत्तर प्रदेश) 5. राजकुमार सुरेश (गुजरात) 6. श्रद्धा राजकुमार जायसवाल (महाराष्ट्र) 7. काशी (महाराष्ट्र)

CM धामी बोले: राहत-बचाव का काम जारी हादसे को लेकर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा- 'रुद्रप्रयाग में हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की दुखद खबर मिली है। एसडीआरएफ, स्थानीय प्रशासन एवं अन्य रेस्क्यू दल राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे हैं।

छत्तीसगढ़ में आवागमन होगा और सुगम :बस्तर अंचल को मिला बड़ा तोहफा

डबल इंजन सरकार में तेजी से हो रहा बस्तर का विकास : कोंडागांव जिले में 307.96 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा 11.38 किमी लंबा 4-लेन बाईपास

संवाददाता ● रायपुर

रायपुर 15 जून 2025/ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा 307.96 करोड़ रुपए की लागत से पेव्ड शोल्डर मानक के साथ 4 लेन में केशकाल बाईपास निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने पर प्रदेशवासियों विशेषकर बस्तर अंचल की जनता की ओर से हार्दिक आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि यह बाईपास केशकाल घाट खंड में यातायात बाधाओं को दूर कर सुगम, सुरक्षित व निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार में तेजी से बस्तर अंचल का विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्वीकृति केंद्र और राज्य सरकार की समन्वित विकास नीति का परिणाम है, जो बस्तर जैसे जनजातीय अंचल को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक और ठोस कदम है।

इस ऐतिहासिक स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की दूरदृष्टि और पहल के लिए आभार जताते हुए इसे बस्तर के विकास के लिए निर्णायक कदम बताया है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ट्वीट कर जानकारी दी है कि छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-43 (नया NH-30) पर केशकाल घाट खंड को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए 307.96 करोड़ रुपए की लागत से 11.380 किलोमीटर लंबा 4-लेन बाईपास निर्माण अपग्रेड की स्वीकृति दी गई है।

यह बाईपास पेव्ड शोल्डर मानक के अनुरूप होगा और इसके बनने से बस्तर अंचल में कनेक्टिविटी को नया आयाम मिलेगा। यह परियोजना विशेष रूप से केशकाल घाट के कठिन भौगोलिक खंड को पार करने में सहूलियत प्रदान करेगी।

बाईपास के निर्माण से न केवल वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा, बल्कि वाहन चालकों को तेज, सुगम और निर्बाध यात्रा का अनुभव भी मिलेगा।

बाईपास निर्माण से शहरी क्षेत्रों में यातायात का दबाव कम होगा, जिससे स्थानीय नागरिकों को जाम और दुर्घटना की समस्या से राहत मिलेगी। इसके साथ ही प्रदूषण के स्तर में भी गिरावट आएगी, जिससे पर्यावरणीय संतुलन को भी बढ़ावा मिलेगा।

दोनों पक्ष अड़े : 60 फीट चौड़ी सड़क बनाने में 150 मकान बन रहे बाधक

चंदन नगर-कालानी नगर लिंक रोड को लेकर निगम-रहवासियों में ठनी

संवाददाता ● इंदौर

चंदन नगर से कालानी नगर तक बनने वाली लिंक रोड की चौड़ाई को लेकर विवाद खत्म नहीं हो रहा है। रहवासी इस सड़क की चौड़ाई 60 फीट से कम कर 40 फीट करने की मांग कर रहे हैं जबकि नगर निगम 60 फीट रखना चाहता है।

रहवासियों का कहना है कि नगर निगम ने मास्टर प्लान की सड़कों की चौड़ाई कम कर दी है तो फिर इस सड़क की चौड़ाई कम करने में क्या दिक्कत है। इधर निगम के जिम्मेदार कह रहे हैं कि यह सड़क चंदन नगर और एयरपोर्ट रोड का ट्रैफिक कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रहवासियों को समझना चाहिए कि इस सड़क के बनने के बाद उनके मकान व्यावसायिक हो जाएंगे। संपत्तियों का बाजार भाव भी बढ़ जाएगा। नगर निगम ने जिन लोगों के मकान चौड़ीकरण में शत-प्रतिशत जा रहे हैं, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना में फ्लैट देने की घोषणा भी कर दी है। इस पर रहवासियों का कहना है कि चौड़ाई कम कर दी जाए तो उनके मकान पूरे जाने से बच जाएंगे। रहवासी अब इस मामले को न्यायालय में चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं।

बाधक

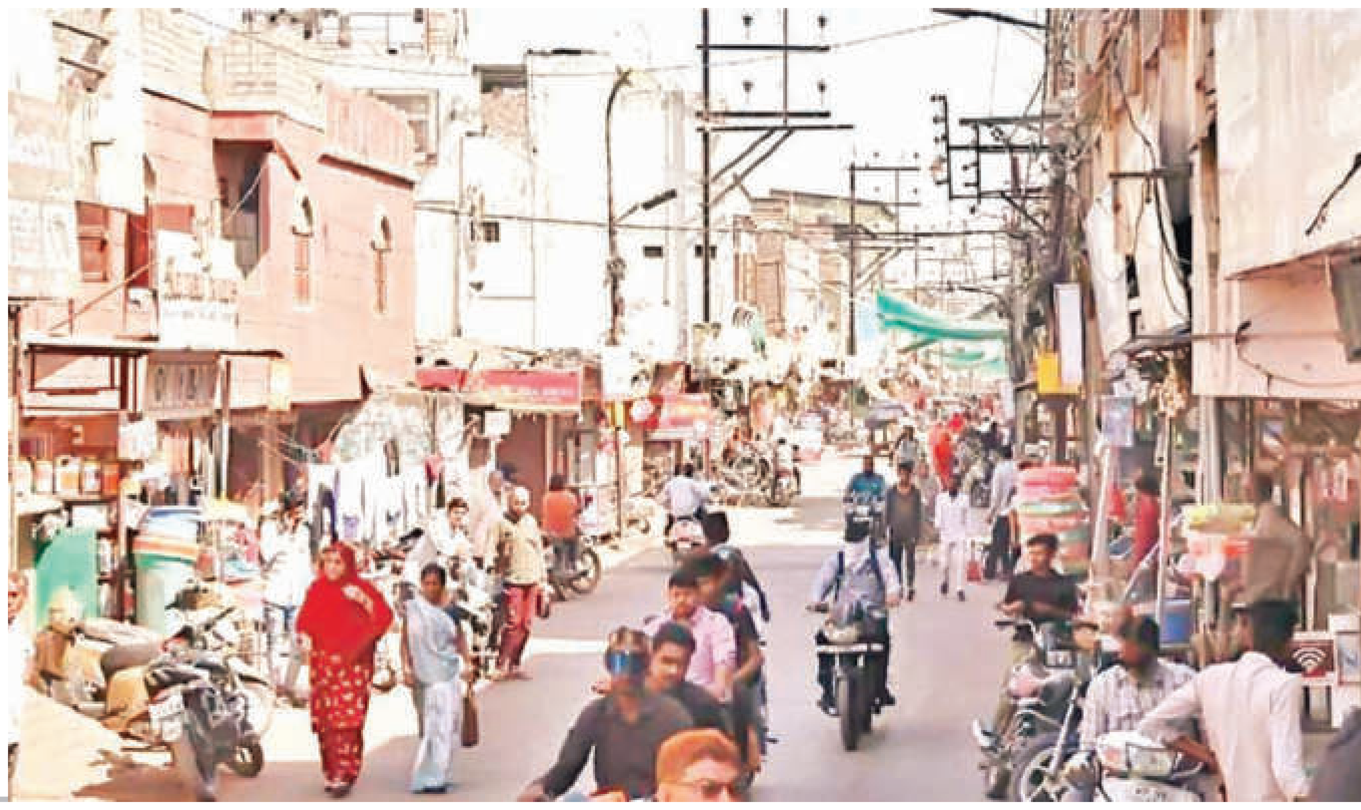

40 फीट हुई तो ज्यादातर मकान बच जाएंगे

अब तक हुए सर्वे के अनुसार चंदन नगर-कालानी नगर लिंक रोड को 60 फीट चौड़ा बनाए जाने की स्थिति में करीब 150 मकान प्रभावित हो रहे हैं। इनमें से 80 से ज्यादा मकान पूरे के पूरे चौड़ीकरण की जद में आ रहे हैं। रहवासियों का कहना है कि चौड़ाई 60 से कम कर 40 फीट कर दी जाए तो ज्यादातर मकान बच जाएंगे। अगर नगर निगम चौड़ाई कम करने को लेकर सहमत हो जाता है तो रहवासी चौड़ीकरण की जद में आ रहे निर्माण स्वेच्छा से हटा लेंगे।

सुभाष मार्ग छावनी की सडकों की भी तो चौड़ाई कम की

पार्षद पति रफीक खान का कहना है कि हमने इस संबंध में महापौर और कैबिनेट मंत्री से मुलाकात का समय मांगा है। उम्मीद है कि शनिवार को हमारी मुलाकात हो जाएगी। हम अपनी बात कैबिनेट मंत्री के समक्ष रखेंगे। खान ने कहा कि जब मास्टर प्लान की सुभाष मार्ग और छावनी सड़क की चौड़ाई कम की जा सकती है तो फिर इस सड़क की क्यों नहीं।

शॉट न्यूज

शहर में महिला की लापरवाही से कार में लगी आग

इंदौर। कनाड़िया क्षेत्र के संचार नगर में 1 जून की सुबह मेडिकल संचालक गौरव जैन की कार में अचानक लगी आग का राज खुल गया है। मामले में पुलिस ने प्रशांत सागर बिल्डिंग के डी ब्लॉक के फ्लैट नंबर 204 में रहने वाली रजनी पाहवा के खिलाफ आगजनी का केस दर्ज किया है। महिला ने खुले में कचरा फेंककर आग लगाई थी, जिससे कार में आग लगी और वह पूरी तरह से जल गई। जानकारी के अनुसार, कालूखेड़ा निवासी गौरव जैन अपनी पत्नी और नवजात बच्चों के इलाज के लिए इंदौर आए थे। उन्होंने अपनी कार (MP43-CA-7794) संचार नगर स्थित अपने भाई विशाल जैन के फ्लैट की पार्किंग में खड़ी की थी, लेकिन अगली सुबह कार में अचानक आग लग गई। दमकल ने आग पर काबू तो पा लिया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

आरटीई : पहले पंजीयन कराने वालों को ही मिलेगी जगह

इंदौर। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र ने सभी कलेक्टर और जिला परियोजना समन्वयक को पत्र जारी कर लिखा कि नए शैक्षणिक सत्र में शिक्षा अधिकारी अधिनियम के तहत गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में द्वितीय चरण की आरटीई की प्रक्रिया होगी।शिक्षा के अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत निःशुल्क प्रवेश प्रथम चरण की प्रक्रिया 10 जून तक पूरी हो चुकी है और पहले चरण के बाद जिन स्कूलों में सीटे रिक्त रह गई है। ऐसे स्कूलों में रिक्त सीट सहित द्वितीय चरण प्रवेश प्रक्रिया के लिए पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया है। इस द्वितीय चरण की प्रक्रिया में नए आवेदन पंजीयन नहीं होंगे और सत्यापन प्रक्रिया भी नहीं होगी। इन द्वितीय चरण में उन्हें ही जगह मिलेगी, जो पहले से पंजीयन करा चुके हैं और उन्हें प्रथम चरण में कोई भी स्कूल आवंटित नहीं हुआ था।

भोपाल मंडल में गंदगी फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई, दो माह में वसूला गया 1 लाख रुपये का जुर्माना

रेलवे अधिनियम के तहत 324 मामलों में की गई जुर्माना कार्यवाही

संवाददाता ● भोपाल

मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में भोपाल मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए यात्रियों को स्वच्छ, सुखद एवं पर्यावरण अनुकूल वातावरण प्रदान करने हेतु लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। स्टेशन परिसर एवं रेलगाड़ियों की नियमित सफाई के साथ-साथ यात्रियों को उद्घोषणाओं, पोस्टरों एवं अन्य माध्यमों से जागरूक किया जा रहा है कि वे रेलवे परिसरों में गंदगी न करें, थूकें नहीं, खुले में कूड़ा न फेंकें तथा धूम्रपान से परहेज़ करें।

कार्यवाही

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि बार-बार चेतावनी और जागरूकता अभियान के बावजूद कुछ लोग लापरवाही बरतते हैं। ऐसे मामलों में रेलवे अधिनियम के अंतर्गत जुर्माना लगाया जाता है। चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल एवं मई 2025 के दो माह में भोपाल मंडल में गंदगी फैलाने के कुल 324 मामलों में कार्रवाई करते हुए 99,970/- का जुर्माना वसूला गया। अकेले मई माह में 152 मामलों में 43,950/- का जुर्माना वसूला गया। रेल प्रशासन इन व्यक्तियों से केवल जुर्माना नहीं वसूलता, बल्कि उन्हें

स्वच्छता के महत्व और गंदगी से होने वाले नुकसान के बारे में भी समझाइश दी जाती है। ऐसे यात्रियों को यह बताया जाता है कि रेलवे स्टेशन और रेलगाड़ियाँ सार्वजनिक संपत्ति हैं और इनकी स्वच्छता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

भोपाल मंडल रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे स्टेशन परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें और रेल प्रशासन के प्रयासों में सहभागी बनें। स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने हेतु रेल परिसर में गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध ऐसे विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

डॉ. प्रतीक्षा साहू ने आईएनआई सुपर स्पेशलिटी परीक्षा

मेरिट सूची लिस्ट में प्रथम रैंक प्राप्त की

भोपाल। मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध मनोरोग चिकित्सक डॉ. आर. एन. साहू की पुत्री और गांधी चिकित्सा महाविद्यालय की छात्र रही डॉ. प्रतीक्षा साहू ने हाल ही में आयोजित आईएनआई सुपर स्पेशलिटी 2025 परीक्षा में न्यूरोलॉजी विषय में प्रथम रैंक प्राप्त की है। राष्ट्रीय स्तर पर आरएनआई सुपर स्पेशलिटी परीक्षा भारतीय चिकित्सा संस्थानों में सुपर स्पेशलिटी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है। डॉ. प्रतीक्षा साहू ने इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इंपोर्टेंस सुपर स्पेशियलिटी (INI-SS) एम्स की मेरिट सूची न्यूरोलॉजी में यह उपलब्धि हासिल की है। डॉ. प्रतीक्षा साहू का यह अद्वितीय प्रदर्शन न केवल उनके कठिन परिश्रम और समर्पण का परिणाम है, बल्कि यह मध्य प्रदेश के चिकित्सा क्षेत्र के लिए भी गौरव का विषय है।डॉ. प्रतीक्षा साहू की इस उपलब्धि पर उनके परिवार, मित्रों और शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी है।

जूनो जनरल इंश्योरेंस ने भारत में पहली बार क्रैश-डिटेक्शन की सुविधा

वाला मोटर कवर लॉन्च किया

संवाददाता ● मुंबई

जूनो जनरल इंश्योरेंस नए जमाने की डिजिटल बीमा कंपनी है, जो बीमा को आसान एवं सुविधाजनक बनाने और इसमें नयापन लाने की संकल्प पर कायम है। जूनो ने अपने फ्लैगशिप जूनो स्मार्ट ड्राइव कार इंश्योरेंस में भारत का पहला रियल-टाइम क्रैश डिटेक्शन फीचर पेश किया है। इस सुविधा को जोड़े जाने से ग्राहकों को सड़क किनारे तुरंत सहायता उपलब्ध होगी और दावों के निपटान की प्रक्रिया में तेजी आएगी, जिससे इनोवेटिव और ग्राहकों को अहमियत देने वाली बीमा कंपनी के तौर पर जूनो की स्थिति और मजबूत हुई है।

लॉन्च

इस नए फीचर के जुड़ने के बाद, जूनो स्मार्ट ड्राइव अब केवल सुरक्षित ड्राइविंग के लिए रिवॉर्ड देने से कहीं आगे निकल गया है। अब एडवांस्ड मोबाइल टेलीमैटिक्स सिस्टम को जूनो ऐप में शामिल किया गया है, जो अपने आप ही दुर्घटनाओं का पता लगाता है और जूनो सपोर्ट टीम को इसकी सूचना देता है। इस तरह, ग्राहक के बिना बताए ही तुरंत सड़क किनारे सहायता उपलब्ध होती है, दावों की प्रक्रिया शुरू हो जाती है और मदद मिल जाती है। इससे आपात स्थितियों में ग्राहक के कीमती समय की बचत होती है — साथ ही यह भी सुनिश्चित होता है कि जरूरत के वक्त सहायता उपलब्ध हो।

जूनो जीआई उपयोग-आधारित बीमा में सबसे आगे है, जिसने पहले ही जूनो स्मार्ट ड्राइव में 'पे हाउ यू ड्राइव' को बिना किसी अतिरिक्त लागत के भारत के पहले बिल्ट-इन फीचर के तौर पर पेश किया है, जो ग्राहकों को वास्तविक समय में उनके ड्राइविंग के तौर-तरीके के आधार पर रिवॉर्ड देता है। ये प्लेटफ़ॉर्म वाहन की रफ्तार, ब्रेकिंग और एक समान तरीके से ड्राइविंग जैसे घटकों पर नजर रखकर, जिम्मेदारी से वाहन चलाने की आदतों को बढ़ावा देता है। ग्राहकों को अपने ड्राइविंग स्कोर को अधिकतम बनाए रखने के लिए रिवॉर्ड मिलते हैं, जिसका लाभ पॉलिसी रिन्यूअल में भी उठाया जा सकता है, और इस तरह सुरक्षित तरीके से ड्राइविंग का आर्थिक फायदा भी मिलता है। जूनो स्मार्ट ड्राइव को किसी खास तरह के सेटअप या डिवाइस की जरूरत नहीं होती है। ये सीधे जूनो ऐप के ज़रिए काम करता है, और उपयोगकर्ताओं को व्यक्तिगत ड्राइविंग संबंधी जानकारी, वास्तविक समय में जोखिम का मूल्यांकन, और इस बात की स्पष्ट जानकारी देता है कि, ड्राइविंग का उनका तौर-तरीका किस तरह सुरक्षा और बचत दोनों पर असर डालता है। यह तरीका न केवल ग्राहकों को उनके प्रीमियम पर अधिक नियंत्रण देता है, बल्कि सड़क पर जिम्मेदारी से वाहन चलाने की आदत को भी बढ़ावा देता है। अपने सबसे नए अपग्रेड के साथ, जूनो स्मार्ट ड्राइव अब वास्तविक समय में सहायता, रिवॉर्ड और सुरक्षा प्रदान करता है। जूनो आज की कनेक्टेड दुनिया में मोटर बीमा की पेशकश के स्तर को लगातार बेहतर बना रहा है — यह स्मार्ट, मददगार और ग्राहकों को सबसे ज्यादा अहमियत देने वाला है। ग्राहकों को ध्यान में रखकर किए गए इस इनोवेशन के बारे में बात करते हुए, जूनो जनरल इंश्योरेंस के एमडी एवं सीईओ, शनाई घोष ने कहा, 'जूनो में, हम इंश्योरेंस को एहतियाती सुरक्षा का सच्चा साथी बनाना चाहते हैं।

कुल 5 बोर्ड होने चाहिए : एमपीपीएससी और सरकार उदासीन

इंटरव्यू बोर्ड की कमी से भर्ती प्रक्रिया प्रभावित

संवाददाता ● इंदौर

एमपीपीएससी के पास एक बोर्ड कम है। इसका असर इंटरव्यू पर पड़ रहा है। लेकिन 6 माह में भी उसे भरने की प्रक्रिया नहीं की शुरू की गई है। इससे राज्य सरकार की गंभीरता पर सवाल उठ रहे हैं। एक और बोर्ड जुलाई में घटेगा, फिर इंटरव्यू पर बड़ा संकट आएगा। लेकिन ना तो पीएससी और न सरकार इसे लेकर गंभीर नहीं है। आयोग में पिछले साल से चार बोर्ड ही हैं, जबकि पांच होने चाहिए। रोज एक बोर्ड औसत 18 से 20 अभ्यर्थी के इंटरव्यू लेता है। इस तरह साल में 5 हजार अभ्यर्थियों के इंटरव्यू हो सकते हैं। 2025 में पीएससी करीब 180 दिन इंटरव्यू आयोजित करना चाहता है।

कई अहम इंटरव्यू में अतिरिक्त समय लगेगा - एक बोर्ड कम होने के कारण पीएससी का राज्य सेवा

परीक्षा (2024,2025, 2026), असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा-2022 (35 विषय), मेडिकल ऑफिसर व मेडिकल विशेषज्ञ सहित कई अहम इंटरव्यू में अतिरिक्त समय बर्बाद होगा। इतने समय में पीएससी असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा-2024 सहित 2025 में प्रस्तावित 15 में से 7 छोटी परीक्षाओं के इंटरव्यू आसानी से करवा सकता है, लेकिन ऐसा हो नहीं पाएगा।

55 का स्टाफ़ कम हुआ, लेकिन नए नहीं आए

पीएससी में क्लास-1 से लेकर फोर्थ क्लास तक का स्टाफ आधे से भी कम रह गया है। सभी कैटेगरी मिलाकर 55 अधिकारी-कर्मचारी कम हो गए, लेकिन एक भी नई नियुक्ति नहीं हुई है। इससे राज्य सेवा परीक्षा 2023, 24, 25 के साथ लाइब्रेरियन, स्पोर्ट्स ऑफिसर व अन्य इंटरव्यू की रफ्तार घट जाएगी। इसका असर यह होगा कि इंटरव्यू में ज्यादा समय लगेगा।

धूप निकलते ही फिर बढ़ गई परेशानी

सुबह गर्मी-उमस के बाद दोपहर में हुई बूंदाबांदी

संवाददाता ● इंदौर

शहर में शनिवार शाम को फिर बारिश हुई। इससे पहले सुबह से दोपहर तक तेज धूप और उमस से लोग परेशान होते रहे। ऐसा ही मौसम शुक्रवार को भी देखने को मिला। करीब 5 मिनट हल्की बारिश हुई और फिर धूप निकल गई। इससे फिर उमस बढ़ी और रातभर लोग परेशान रहे। जून में इंदौर में दिन के टेम्प्रेचर में खासी गिरावट होती है। पिछले 5 साल यानी 2020, 2021, 2022, 2023 और 2024 में जून में कम गर्मी पड़ी। पारा 39.6 से 41.1 डिग्री के बीच रहा है। पिछले साल 40.6 डिग्री तक पारा पहुंचा था। जून में रात का टेम्प्रेचर 8 से 10 डिग्री तक लुढ़क जाता है। अबकी बार भी ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है।

पिछले साल 21 जून को आया था मानसून

मप्र में मानसून के प्रवेश की सामान्य तारीख 15 जून ही है। पिछले साल यह 21 जून को एंटर हुआ था। इस बार अनुमान था कि मध्य प्रदेश में मानसून जून के पहले सप्ताह में ही आ जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पिछले 15 दिन से मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में एक ही जगह पर ठहरा रहा। इस वजह से प्रदेश में मानसून जल्द नहीं आया। अब मानसून आगे बढ़ने लगा है। इसलिए अब यह प्रदेश में 15-16 जून तक पहुंच सकता है। इस महीने कोटे की 20% तक बारिश हो जाती है। पिछले साल करीब 4 इंच पानी गिरा था। इस बार 13 जून तक 12 मिमी बारिश हुई है।

समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में सेज यूनिवर्सिटी के स्पोर्ट्स ऑफिसर आर पी सिंह उपस्थित थे

सेज यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय कबड्डी रेफ़री रेफरेंसर कोर्स का समापन

संवाददाता ● भोपाल

सेज यूनिवर्सिटी में मध्यप्रदेश एमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन द्वारा मध्य प्रदेश से आए पाँच बेचों में रेफरी परीक्षा पास रेफ़री/अंपायर के लिए आयोजित रेफरी रेफ़्रेन्सर कोर्स के समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में सेज यूनिवर्सिटी के स्पोर्ट्स ऑफिसर आर पी सिंह उपस्थित थे वही कार्यक्रम में महामहिम राष्ट्रपति से द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित श्री ई भास्करन विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

समारोह

प्रारंभ में अथिथियों का पुष्पहार से स्वागत सचिव जे सी शर्मा, उपाध्यक्ष राम जीवन गोदारा, कन्वीनर शानू यादव, कॉर्डिनेटर मंगल सिंह यादव, एम आर शर्मा और भोपाल जोन के संयोजक शैलेन्द्र सिंह राजपूत , प्रीतम सिंह ने किया । इस अवसर पर मध्यप्रदेश एमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन के सह सचिव डीके ठाकुर, राजेंद्र सिंह सेंधव, विभिन्न

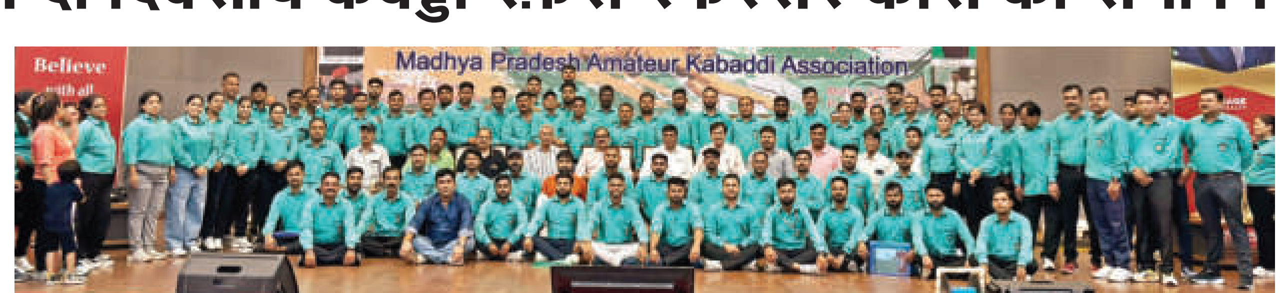

जिलो के सचिव सुभाष भास्कर, पंकज परमार , देवेंद्र राठौड़, संदीप सोलंकी, और आर के शर्मा इत्यादि मौजूद थे। रेफ़्रेंसर कोर्स के दूसरे दिन ई भास्करन द्वारा कबड्डी मेदान में कबड्डी के प्रैक्टिकल और स्कोरशीट तथा अन्य रेफरी/अंपायर के कार्यो के साथ ही कबड्डी नियमों की विस्तार से जानकारी दी । मुख्य अतिथि श्री आर पी सिंह ने रेफरी रेफ़्रेंसर कोर्स में पधारे 100 से अधिक रेफ़रियों को संबोधित करते हुए कहा कि ये बहुत ही ख़ुशी की बात है कि आपने इतनी बढ़ी संख्या में आकर इस द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित ई भास्करन जी से आपने रेफ़री के अधिकार और उनके कर्तव्यों के साथ ही इसकी बारीकियों को अच्छी तरह से समझा होगा और उसे आपको अपने जीवन में उतारना होगा और खिलाड़ियों के साथ साथ आपको भी पूर्ण अनुशासन में रहकर कबड्डी मैचेस कं सफलतापूर्वक सपन्न कराने होंगे तभी आप द्वारा इस रेफरी रेफ़्रेंसर कोर्स की सार्थकता होगी । वही ई भास्कर ने भी अपने उदबोधन में कहा की जो अपनत्व आप लोगो से मिला वह तारीफे क़ाबिल है । आप लोगों को भी खिलाड़ी के साथ पूर्ण अनुशासन में रहकर अपने निर्णय को मजबूती से रखेंगे । कार्यक्रम का संचालन सचिव जे सी शर्मा ने किया वही आभार मोहन चौहान ने व्यक्त किया।

लापरवाही । सीएम हेल्पलाइन पर लगातार बढ़ रही शिकायतें, हल करने में अधिकारी नाकाम

पानी की के मामले गूंज रहे सीएम हेल्पलाइन पर...

संवाददाता ● इंदौर

नगर निगम भीषण गर्मी में लोगों को पर्याप्त पानी की सप्लाई ही नहीं कर पा रहा है। ऐसे में लोगों का गुस्सा निगम के खिलाफ सीएम हेल्पलाइन पर स्पष्ट दिखाई दे रहा है। नगर निगम के खिलाफ सीएम हेल्पलाइन पर सभी मामलों में करीब 5000 शिकायतें दर्ज हो चुकी है। इनमें सबसे अधिक मामले ड्रेनेज और गर्मी के समय में पेयजल संकट के हैं। इसके साथ ही कचरा गंदगी और बिल्डिंग परमिशन की भी सैकड़ों शिकायतें दर्ज की गई है। लोगों का कहना है कि निगम अधिकारियों की लापरवाही और कार्य के प्रति अनदेखी के चलते उन्हें इस मंच पर शिकायत करना पड़ रही है।

मामला

इसके बाद भी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन पर भी गलत जानकारी देकर गुमराह कर रहे हैं। शिकायत तो हाल होना बताई जा रही है लेकिन वास्तव में वह शिकायत और समस्या कायम रहती है।

जानकारी अनुसार भरपूर टैक्स देने के बाद भी समस्याओं का सामना कर रहे लोगों का आक्रोश सीएम हेल्पलाइन पर निगम के खिलाफ दर्ज शिकायतों में देखा जा सकता है। लगातार बढ़ रहे इस आंकड़े पर गौर करें तो निगम के खिलाफ सीएम हेल्पलाइन पर ही 5000 के करीब शिकायतें दर्ज करवाई जा चुकी हैं। इनमें से अधिकतर शिकायतें तो ऐसी है जो तुरंत ही हल की जा सकती हैं, लेकिन लापरवाही के चलते हुए हल नहीं हो पा रही हैं। रिकॉर्ड देखा जाए तो भीषण गर्मी में सबसे अधिक शिकायतें ड्रेनेज और पानी से संबंधित हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो करीब 1250 शिकायत पानी की कमी से संबंधित हैं। इसके बाद नंबर आता है ड्रेनेज का, जिसका आंकड़ा भी 1000 को छू रहा है। कचरा गंदगी और बिल्डिंग परमिशन की भी शिकायतें 500 के करीब हैं। इसके साथ ही स्मार्ट सिटी का लापरवाही पूर्वक निर्माण किया जाना, अतिक्रमण और अवैध कब्जे की शिकायतें भी है। इनमें से अधिकतर शिकायतें ऐसी है जिन्हें बहुत ही काम समय में हल किया जा सकता है। हालांकि मुख्यालय के कर्मचारी झोनल स्तर पर और वहां के कर्मचारी लापरवाही में हल नहीं कर पा रहे हैं।

आला अधिकारी लगातार कर रहे मॉनिटरिंग

सीएम हेल्पलाइन एक हाईली सेंसेटिव मंच है। इसलिए इस पर दर्ज शिकायतों की मॉनिटरिंग स्वयं एडिशनल कमिश्नर और अन्य स्तर के अधिकारी करते हैं। इसके बाद भी निचले स्तर के कर्मचारी और अधिकारी गुमराह पूर्वक जानकारी देकर सीएम हेल्पलाइन की शिकायत तो खत्म करना बता देते हैं लेकिन वास्तविक समस्या हल नहीं कर पाते। बताया जा रहा है कि आज सो के करीब शिकायतें एल3 और एल 4 स्तर पर भी लंबित है।

नर्मदा प्रोजेक्ट के खिलाफ भी आक्रोश

हल्के समय में भीषण गर्मी में भी लगातार किए गए शटडाउन के कारण नलों में पर्याप्त पानी नहीं आ सका। लगातार भीषण जल संकट से जूझ रहे लोगों ने नर्मदा प्रोजेक्ट के अधिकारियों पर भी खूब गुस्सा उतारा। गुरथल्पी की पर्याप्त पानी नहीं उपलब्ध करा पाने के कारण नर्मदा प्रोजेक्ट के अधिकारी हमेशा से ही लोगों के आक्रोश का सामना करते आ रहे हैं। नर्मदा प्रोजेक्ट के प्रभारी अधिकारी संजीव श्रीवास्तव तो एक दशक से भी अधिक समय से इसी विभाग में डटे हुए हैं इसके बाद भी पर्याप्त पानी लोगों को नहीं उपलब्ध हो पा रहा है। कहीं ना कहीं रोज ही समस्या आ रही है।

कलेक्टर ऑफिस में जलसंकटवाटर कूलर खाली, लोग परेशान

दिनभर आवेदकों से आबाद रहने वाले कलेक्टर ऑफिस में कई दिनों से जल संकट व्याप्त है। यहां के लगभग सभी मंजिलों पर लगे वाटर कूलर दोपहर तक ही खाली हो जाते हैं। दोपहर बाद से यहां आने वाले लोग पानी की तलाश में परेशान होते रहते हैं। यह भी सामने आया है कि गर्मी के कारण पानी की जरुरत अधिक हो रही है इसलिए वाटर कूलर जल्दी खाली हो जाते हैं और इन्हें सप्लाई लाइन भी सूख जाती है। जानकारी अनुसार कलेक्टर ऑफिस के ग्राउंड फ्लोर से लेकर हर फ्लोर पर अलग-अलग वाटर कूलर लगाए गए हैं। इनसे यहां आने वाले आवेदकों और अन्य लोगों को पीने का पानी आसानी से उपलब्ध होता है। हालांकि कई दिनों से यह वाटर कूलर दोपहर तक ही खाली हो जाते हैं। इसके बाद आने वाले आवेदकों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। यह भी एक गौर करने वाली बात है कि कलेक्टर ऑफिस में अधिकांश लोग और आवेदक लंच टाइम के बाद ही आते हैं। इसलिए यहां पानी की समस्या अच्छी खासी हो रही है। लोगों को महंगी पानी की बोतल खरीद कर प्यास बुझाने पड़ रही है।

शॉट न्यूज

रेल टिकट बुकिंग में अब 1 जुलाई से 'आधार' जरूरी

इंदौर। अब जुलाई महीने से रेलवे की यात्रा के लिए रिजर्वेशन करने के पहले आम जनता को अपना आधार कार्ड IRCTC (इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन) वेबसाइट और एप पर अपलोड करना होगा। इसके बाद ही आपका टिकिट बुक हो पाएगा। रेलवे ने इसके लिए निर्देश जारी किए हैं जो एक जुलाई से लागू होंगे। पश्चिम रेलवे इंदौर के जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीणा ने बताया कि अभी तक रेलवे से यात्रा करने वाले यात्रियों को टिकट बुक करने के लिए आईआरसीटीसी की वेबसाइट और मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से टिकट बुक करने की सुविधा मिल रही है। अब भारतीय रेल की ओर से अब नया अपडेट जारी किया गया है।

बिजली गायब, सिस्टम लापता, जनता बेहाल

इंदौर। बिजली कंपनी पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने गंभीर आरोप लगाए हैं। एक्स पर उन्होंने लिखा कि बिजली गायब, सिस्टम लापता और प्रदेश की जनता बेहाल। भीषण गर्मी में जहां बिजली की आवश्यकता सबसे अधिक होती है, वहीं बिजली कटौती और सिस्टम की लापरवाही ने प्रदेशवासियों का जीवन कठिन बना दिया है। बिजली कंपनी में आए दिन सामने आ रहे घोटाले अब आम बात होते जा रहे हैं। दरअसल गुरुवार को इंदौर में हुई तेज हवा के साथ बारिश से कई इलाके आधी रात तक अंधेरे में डूब गए थे। इंदौर में बिजली कटौती का यह हाल पिछले काफी समय से बना हुआ है। जिसके बाद सिंघार ने आज बिजली कंपनी पर सरकारी समान को निजी बिल्डर को बेचने के आरोप लगाए है।

बेमौसम की बारिश में तबाह कर दिया ईंट निर्माण, मंत्री विजयवर्गीय को सौंपा ज्ञापन

बारिश से हुए नुकसान का सर्वे कर मुआवजा देने की मांग

संवाददाता ● इंदौर

पिछले माह हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण ठप पड़े ईंट भट्टों पर अब तक नई ईंटों का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाने से शहर में चल रहे करीब ढाई हजार छोटे-बड़े निर्माण कार्यों की रफ्तार या तो थम गई है या कम पड़ गई है। दूसरी ओर मांग के मुकाबले उत्पादन नगणन्य होने से ईंटो के भावों में भी अप्रत्याशित तेजी आ गई है। निर्माण कार्यों में लगने वाली अन्य सामग्री जैसे रेती, चूरी, गिट्टी एवं अन्य सामग्रियों के दाम भी बढ़ गए हैं।

ज्ञापन

म.प्र. ब्रिक्स मेन्यू. एसो. के अध्यक्ष रमेश प्रजापति, संरक्षक मांगीलाल रेडवाल एवं रमेश चंद्र कश्यप ने बताया कि पिछले माह 4 से 6 मई और उसके बाद हुई बेमौसम बाऱिश के कारण शहर के 600 से अधिक ईंट भट्टों पर रखी गई लाखों ईंटे मलबे के ढेर में तब्दील हो गई, जिन्हें पकाने के लिए रखा गया था। अचानक हुई ओलावृष्टि और वर्षा के कारण ये सभी ईंटें नष्ट हो चुकी हैं। इसके कारण ईंट भट्टों पर फैला हुआ मलबा भी बमुश्किल हटाया जा रहा है, लेकिन इस स्थिति में नई ईंटों का निर्माण कार्य पिछले एक माह से लगभग ठप हो चुका है। शहर में करीब ढाई हजार स्थानों पर विभिन्न निर्माण कार्य चल रहे हैं, किन्तु मांग के मुकाबले में ईंटों का उत्पादन नगण्य होने से सभी निर्माण कार्यों की गति धीमी पड़ गई है, बल्कि कई निर्माण कार्य तो बंद ही हो गए हैं। प्राकृतिक आपदा के पूर्व ईंटों के भाव आठ से साढ़े आठ हजार रुपए प्रति हजार चल रहे थे।

कच्चे मटेरियल के दाम बढ़े

ठेकों पर काम करने वाले लोग घटिया मटेरियल का उपयोग भी करने पर बाध्य हैं, क्योंकि उन्हें समय पर अपना काम पूरा करने का अनुबंध निभाना है। ईंटों के साथ-साथ रेती, गिट्टी और चूरी के दामों में भी बढ़ोत्तरी हो जाने से निर्माण कार्यों की लागत 25 से 40 प्रतिशत तक बढ़ गई है। इसका असर उन छोटे भूखंड और भवन मालिकों पर अधिक हो रहा है, जो बजट से बाहर हो जाने के कारण अपने निर्माण कार्य को न तो समय पर पूरा कर पा रहे हैं और न ही निर्माण कार्य आगे बढ़ाने की स्थिति में हैं। शहर में ऐसे अनेक निर्माण कार्य आधे-अधूरे पड़े हैं और वहां लगे मजदूर भी बेरोजगार होकर पलायन कर रहे हैं। इस संबंध में एसो. के पदाधिकारियों ने पिछले दिनों राज्य के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से भी मिलकर उन्हें इस स्थिति से अवगत कराते हुए जिला प्रशासन के नाम ज्ञापन सौंपा था। वर्ष 2006 में जिला प्रशासन ने भट्टा संचालकों को मौसम से हुई तबाही का आर्थिक मुआवजा दिया था, जबकि इस बार तो जबर्दस्त तबाही हुई है, इसलिए विजयवर्गीय से मांग की गई है कि वे शासन एवं प्रशासन से उचित मुआवजा दिलाएं।

खटारा कचरा गाडियों की जगह 100 ईवी दौड़ती नजर आएंगी

इंदौर। नगर निगम द्वारा शहर के मुख्य क्षेत्रों के जोनल क्रमांक 3,9,12 के विभिन्न वार्डों में वर्तमान में संचालित ऐसी कचरा गाडियों को हटाना है, जो खटारा हो गई हैं। अभी तक चार्जिंग स्टेशन्स नहीं बने थे जिनकी व्यवस्था कर दी गई है। अपर आयुक्त मनोज पाठक ने स्वयं जाकर निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। वल्लभ नगर में बीस चार्जर्स लगा दिए हैं। इसी तरह दोनों जोनल में भी चार्जिंग स्टेशन्स बनायें गए हैं। नगर निगम द्वारा कुछ समय पूर्व सौ ईवी कचरा गाड़ियां क्रय की गई है जिनका संचालन नहीं हो पा रहा है। अभी केवल तीस कचरा गाड़ियां ही चल रही है जो सोमवार से 100 हो जाएगी। अपर आयुक्त मनोज पाठक के मुताबिक शहर के मध्य में ही पुरानी गाड़ियों को हटाकर नई ईवी लगाएंगे। सोमवार से सभी 100 कचरा ईवी गाड़ियों सड़कों पर नजर आएंगी।

इंदौर मॉडल अन्य शहरों के लिए बन सकता है प्रेरणास्त्रोत

इंदौर। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के ज्वाइंट सेक्रेटरी कुणाल द्वारा शनिवार को इंदौर नगर निगम क्षेत्र में जल शक्ति अभियान एवं जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किए जा रहे विभिन्न जल संरक्षण एवं पुनर्भरण कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ज्वाइंट सेक्रेटरी ने सर्वप्रथम सिलिकॉन सिटी क्षेत्र में किए जा रहे वॉटर रिचार्जिंग के कार्यों का अवलोकन किया। तत्पश्चात शहर में स्थित तालाबों की चैनल सफाई के कार्यों, रीजनल पार्क में उपचारित जल की आपूर्ति व्यवस्था, नहर भंडारा स्थित 11 एम.एल.डी एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट), वल्लभ नगर में जीर्णोद्धार की गई ऐतिहासिक बावड़ी, किला मैदान क्षेत्र की वीरगड़ी हनुमान बावड़ी, कमला नेहरू बावड़ी, तथा सदर बाजार स्थित बावड़ी का स्थल निरीक्षण किया गया।

अभी भी 50 पीस अधिकारी बाकी, लगातार काम चलने की दरकार

नेहरू पार्क का स्विमिंग पूल अब अगले वर्ष होगा शुरू

संवाददाता ● इंदौर

शहर के मध्य स्थित नेहरू पार्क प्रोजेक्ट वर्षों बाद भी अधूरा है। इस प्रोजेक्ट के साथ ही यहां बनने वाला स्विमिंग पूल जिसे जीर्णोद्धार कहा जा रहा है, का काम भी लंबे समय से चला आ रहा है। हालत यह है कि अभी भी यहां 50 फ़ीसदी से ज्यादा काम बाकी होना बताया जा रहा है। इसी कारण जो स्विमिंग पूल अप्रैल में शुरू होना था वह अब अगले साल तक के लिए टल गया है। यह भी तब उसे स्थिति में संभव हो सकेगा जब कार्य निरंतर होते रहे। यदि काम कहीं भी थोड़े भी अटके तो पूल के शुरू होने में और समय लग सकता है।

मंजूरी

जानकारी अनुसार लंबे समय से स्वीमिंग पुल के जीर्णोद्धार को लेकर निगम में मंथन चल रहा था। इसके बाद मेयर इन कौंसिल की बैठक में इसका प्रस्ताव रखकर मंजूरी ली गई। मंजूरी मिलते ही जनवरी-फरवरी में इसका काम शुरू कराया गया। इसके जीर्णोद्धार की समयसीमा भी तीन माह तय की गई। तय सीमा में काम पूरा होने निगम के अधिकारी और सामाजिक न्याय विभाग के प्रभारी ने लगातार निरीक्षण किए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों और ठेकेदार को आदेश दिए कि वे गुणवत्तापूर्ण कार्य पर जोर दिया। स्वीमिंग पुल पर पदस्थ अधिकारी काम को लगातार देखते रहे, लेकिन उसे गति दिलाने में उनकी रूचि नहीं रही। इसी का परिणाम रहा कि अब तक स्वीमिंग पुल का काम पूरा नहीं हो पाया है।

नगर निगम का हरियाली को लेकर एडॉप्ट अभियान

संवाददाता ● इंदौर

हमारा शहर जनभागीदारी का शहर है और इसे हरियाली में नंबर वन बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा विगत 3 वर्षो से लगातार प्रतिवर्ष वृहद स्तर पर पौधारोपण किया जा रहा है। यह बात महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कही। उनके अनुसार शहर के ग्रीन बेल्ट, रोड डिवाइडर, रोटरी सहित चौराहों पर ग्रीनरी एवं विकास के लिये विभिन्न संगठनों व प्रतिनिधियों के साथ निगम का एडॉप्ट अभियान चलाया गया है। इसमें किसी भी नागरिक, संगठन व प्रतिनिधियों द्वारा आवेदन कर निगम के चिंहित ग्रीन बेल्ट, रोड डिवाइडर, रोटरी सहित चौराहों पर ग्रीनरी तथा विकास पर पौधारोपण के साथ ही विकास कार्य के लिये पहले आओ-पहले पाओ के तहत ग्रीन बेल्ट, रोड डिवाइडर, रोटरी सहित चौराहो पर ग्रीनरी एवं विकास गोद दिये जाएंगे। साथ ही मालवा के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए पौधो का निर्धारण कर पौधारोपण करना और उसको जीवित रखने के साथ ही अन्य गाइड लाइन अनुसार इन स्थानों का संधारण कार्य करना होगा। गोद लिये ग्रीन बेल्ट, रोड डिवाइडर, रोटरी सहित चौराहो पर ग्रीनरी तथा विकास को आगामी 6 माह में विकास भी करें, ताकि अन्य को भी प्रोत्साहन मिल सके। प्रभारी राजेन्द्र राठौर ने बताया कि इंदौर के ग्रीनरी कवर को बढाने के उदेश्य से महापौर भार्गव द्वारा प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व नगरीय विकास एवं आवास मंत्री के मार्गदर्शन में इंदौर ने 51 लाख पौधो का रोपण किया गया, जिसमे से एक ही दिन में 12 लाख 40 हजार से अधिक रेवती रेंज में पौधो का रोपण किया जो आज भी जीवित है, इसके लिये कबीटखेडी एसटीपी प्लांट से टीटेड वॉटर को पाईप लाईन के माध्यम से पहुंचाया जाएगा।

एक दिवसीय रोजगार मेला (युवा संगम कार्यकम) 20 जून को

संवाददाता ● इंदौर

इन्दौर जिले में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन जिला रोजगार कार्यालय द्वारा 20 जून को सुबह 10:30 बजे से 03 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय परिसर (जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के पास) 10 पोलोग्राउन्ड इन्दौर में किया जा रहा है। उप संचालक रोजगार पीएस मंडलोई ने बताया कि उक्त रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कम्पनियां जैसे- डीटी इण्डस्टीज, व्ही फाईव ग्लोबल (भारती एयरटेल), श्याम टाटा मोटर्स, निलांचल इन्फा आदि द्वारा लगभग 200 से अधिक युवाओं को विभिन्न पदों पर नौकरी दी जाएगी। रिक्त पदों में एच.आर., सेल्स एविजकिटीव, टेलीकॉलर, ऑपरेटर, टेक्नीशियन, सेल्स, टीम लीडर, बैंक ऑफिस आदि के पद शामिल है। चयनित युवाओं को आकर्षक वेतन मिलेगा। उक्त मेले में 18 से 40 वर्ष के आवेदक जो की हाईस्कूल से लेकर स्नातकोत्तर किसी भी विषय में पास है आवेदन कर सकतें हैं। तकनीकी योग्यता के आवेदक भी उक्त पदों के लिए रोजगार मेले में भाग लेकर योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते है। रोजगार मेले में सम्मिलित होने वाले आवेदकों को अपनी समस्त शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्रों के साथ बायोडेटा की प्रतियों एवं अन्य प्रमाण पत्र जैसे- आधार कार्ड आदि के प्रमाणपत्रों की फोटो प्रतियों के साथ उपस्थित होना होगा।

करीब डेढ़ हजार पेड़ किया जाना है शिफ्टिंग, रोड भी होगी चौड़ी

बड़ा गणपति से एरोड्रम तक मेट्रो प्रोजेक्ट का कार्य तेजी से

संवाददाता ● इंदौर

मेट्रो ट्रेन के पहले चरण की रनिंग शुरू होने के बाद अब अन्य क्षेत्रों में भी मेट्रो का कार्य तेजी से चल रहा है। बताया जा रहा है कि अब बड़ा गणपति से एरोड्रम क्षेत्र में मेट्रो का कार्य तेजी से होना है। इसके चलते इस क्षेत्र के करीब 1200 पेड़ शिफ्टिंग किए जाएंगे। इसके लिए मेट्रो रेल कॉरपोरेशन नगर निगम को करीब 12 लाख रुपए की धनराशि देगा। उधर, इसी वर्ष के अंत तक मेट्रो ट्रेन को रेडिसन चौराहे तक चलाने की योजना पर काम हो रहा है।

मेट्रो

जानकारी अनुसार गांधीनगर से एयरपोर्ट तक मेट्रो ट्रेन चलाने का काम भी तेजी से चल रहा है। जल्द ही बड़ा गणपति से एयरपोर्ट तक काम शुरू किया जाएगा। इसके लिए डेढ़ किलोमीटर लंबे मार्ग पर दोनों ओर लगे करीब एक हजार पेड़ों को हटाया जाएगा।

हरियाली को बचाने इस मार्ग पर लगे पेड़ों को काटने की बजाए उन्हें शिफ्टिंग करने या ट्रांसप्लांट किया जा सकता है। इस कार्य के लिए मेट्रो ट्रेन कारपोरेशन निगम को 12 लाख रुपए देगा। यह राशि देने के बाद ट्रांसप्लांट किया जाएगा। बड़ा गणपति चौराहा से मेट्रो ऊपर से निकलेगी। इसके चलते सड़क चौड़ीकरण किया जाना आवश्यक है। सर्विस रोड का काम भी करना होगा। मेट्रो ट्रेन की लाइन के कारण सड़क के दोनों ओर लगे पेड़ों को हटाना जाना सुनिश्चित किया है। पेड़ों के ट्रांसप्लांट का काम इसी साल पूरा किया जाएगा। इसके बाद मेट्रो ट्रेन के काम को गति देंगे। उधर, बड़ा गणपति से खजूरी बाजार तक मेट्रो ट्रेन के अंडर ग्राउंड रखने का विरोध लगातार जारी है।

इस मार्ग के व्यापारी कई बार शासन प्रशासन का ध्यानाकर्षण कराने विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन उन्हें शासन की ओर से अब तक कोई संतुष्टि भरा जबाव नहीं मिल पाया है। अंडर ग्राउंड लाइन में कई मकान, दुकान प्रभावित होंगे। उल्लेखनीय है कि निगम और अन्य निर्माण एजेंसियां इन दिनों पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलाने की बजाए उन्हें ट्रांसप्लांट या शिफ्टिंग करने में लगी है, जिससे पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंच रहा है।

पिता होने के एहसास के साथ ही जीवन स्वयं को सुंदरता से उद्घाटित करता है

पैरेंटल लीव के दो सप्ताह बाद मैं काम पर लौटा था। 1990 के दशक की उस शुरूआत में मैंने खुद को रजत शर्मा और फातिमा जकारिया के साथ मीटिंग्स के दौरान एक अनजानी स्थिति में पाया। जब भी दफ्तर में फोन बजता, मुझे लगता जैसे वह मेरे लिए है। ह्यक्या बच्ची सो गई?ह्न या ह्यक्या वह ठीक है?ह्न या इसी तरह के विचार मेरे मन में उस नन्ही खुशी के बारे में आने लगते, जो उस समय हमारे घर आई थी। मैं संपादकीय बैठकों में इस हद तक अनमना हो जाता था कि शर्मा और जकारिया मुझसे पूछते ह्यक्या तुम ठीक हो? क्या घर पर सब दुरुस्त है?ह्न पिता बनना उस समय मेरे अस्तित्व की सबसे सुखद घटना थी। मैं एक साथ बहुत सारी नई चीजों के बारे में जान रहा था- धैर्य, दुर्बलता, दृढ़ता, जब बच्चा कपड़े, चादरें आदि गंदा कर देता है तो मुंह न बनाना आदि।

मेरे भीतर धीरे-धीरे एक जीवन देने वाली उदारता बढ़ रही थी। मुझे महसूस हुआ जैसे मैं बेटी को उसके जन्म से पहले से जानता था, जब मैं उसकी मां के साथ विभिन्न अपॉइंटमेंट्स में गया था और अल्ट्रासाउंड्स देखे थे, जिनमें मैंने गर्भस्थ शिशु से भौतिक दूरी के बावजूद उसके करीब रहने के तरीके खोज निकाले थे। लगभग हर रोज ही मैं उसे छाती से लगाए घूमता था, और जैसे-जैसे हमारा रिश्ता आगे बढ़ा, मौसम बदलते रहे- पहले गर्मी से बरसात और फिर धीरे-धीरे मध्य गर्मी से सर्दी तक। मेरी पत्नी और मेरा पूरा जीवन उसके इर्द-गिर्द ही घूमता था। रोजमर्रा की गतिविधियां सबसे ज्यादा मायने रखती थीं। बच्ची का स्पर्श, देर रात तक उसे भोजन देना, उसकी हर छोटी से छोटी आवाज के मायने निकालना और इससे पहले कि वह हमें थोड़ी देर सोने की मोहलत देती, धैर्यपूर्वक उसकी सफाई करना। इस गहन संबंध ने मुझे सिखाया कि बेटी और पिता के बीच का बंधन अपनी अटूट उपस्थिति के माध्यम से तेजी से आगे बढ़ रहा था।एक आदर्श पिता बनने का दबाव मेरी अति-सतर्कता में प्रकट हुआ। हर घटना ने एक नई परवाह को जन्म दिया। मैंने न केवल उसे हर तालिका और दिशा-निर्देशों के अनुसार मापा, बल्कि मुझे यह भी पता था कि उसने कितने शब्द बोले! मैं उसके बारे में डेटा एकत्र करने को लेकर आविष्ट हो चुका था। और मैं एक पिता के रूप में अपनी क्षमताओं पर प्रसन्न था। समय के साथ मैंने खुद को अधिक छूट दी और उत्कृष्टता के बाहरी मानक के बजाय उसकी स्वयं की शर्तों पर उसकी प्रगति को सराहने लगा। मैं कभी भी ह्यअपनी योग्यता साबित करो वाली पैरेंटिंग मानसिकता के जाल में नहीं फंसा। मुझे लगा प्रामाणिक पैरेंटिंग का मतलब परफेक्शन नहीं, अपनी कमजोरियों के साथ जीना सीखना है।

किसी भी पिता की तरह मुझे भी एहसास हुआ कि पैरेंटहुड के लिए कोई नियमावली नहीं है। उस बड़ी जिम्मेदारी के साथ एक नुकसान भी आता है- अपने पूर्व के अस्तित्व और जीवन की सहज स्वतंत्रता की क्षति। जब भी मैं किसी उपन्यास के पन्नों में खोना शुरू करता, एक चीख, या खिलखिलाहट मेरा ध्यान भटका देती और मैं फिर से उस बिस्तर की ओर खिंचा चला जाता, जहां मेरी नन्ही खुशी सो रही होती थी।

दोस्तों के साथ योजना बनाना अब पहले की तरह स्वत:स्फूर्त नहीं रह गया था। बेफिक्री से भरे दिन थोड़े समय के लिए नहीं, बल्कि हमेशा के लिए पीछे छूट गए थे। इसकी मायूसी तो थी, लेकिन पछतावा नहीं था, क्योंकि उस नन्ही परी की मुस्कान हर नुकसान की सौ गुना भरपाई कर देती थी। एक बेफिक्र ग्रेजुएट छात्र से लेकर एक पोस्ट ग्रेजुएट आशावादी पति बनने तक, मैंने पितृत्व में अपनी पीएचडी हासिल कर ली और अपने लिए एक नया नाम पाया, जिसे अमूमन पापा के नाम से जाना जाता है। एक मनुष्य के रूप में हमारे दूसरे विकासों के विपरीत, माता-पिता बनना अचानक तीव्रता के साथ होता है। केवल देशकाल के परिप्रेक्ष्य के साथ ही मैं जीवन के रियर-व्यू मिरर में इस वास्तविकता को और अधिक स्पष्ट रूप से देख पाया हूं। और मैंने इस नए संतुलन के साथ तालमेल बिठाना शुरू कर दिया कि परिवार के साथ हमारा संबंध सबसे अधिक तब गहरा होता है।

दोस्तों के साथ योजना बनाना अब पहले की तरह स्वत:स्फूर्त नहीं रह गया था। बेफिक्री से भरे दिन थोड़े समय के लिए नहीं, बल्कि हमेशा के लिए पीछे छूट गए थे। इसकी मायूसी तो थी, लेकिन पछतावा नहीं था, क्योंकि उस नन्ही परी की मुस्कान हर नुकसान की सौ गुना भरपाई कर देती थी। एक बेफिक्र ग्रेजुएट छात्र से लेकर एक पोस्ट ग्रेजुएट आशावादी पति बनने तक, मैंने पितृत्व में अपनी पीएचडी हासिल कर ली और अपने लिए एक नया नाम पाया, जिसे अमूमन पापा के नाम से जाना जाता है।

संत वचन

अक्सर इन सभी के कारण अपने मंत्रालय के दौरान बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। यही कारण है कि प्रभु ने उन फरीसियों की आलोचना की और उन्हें उनके व्यवहार के लिए फटकार लगाई, जिसे उन्होंने इस प्रकार उजागर किया कि यह उनके पूर्वजों और पूर्वजों द्वारा दिखाए गए व्यवहार से मिलता-जुलता था, जो प्रभु और उनकी सच्चाई पर भरोसा करने के बजाय अपनी इच्छाओं, अपनी समझ और चीजों की व्याख्या के अनुसार चलने की उनकी जिद थी। उनका अभिमान और अहंकार, महत्वाकांक्षाएं और इस दुनिया की इच्छाएं उन्हें गलत रास्ते पर ले गईं और उन्हें प्रभु से और भी दूर कर दिया, क्योंकि उन्होंने प्रभु के लिए अपने दिल और दिमाग के दरवाजे बंद कर दिए थे। यह वह रवैया है जो प्रभु नहीं चाहते कि हममें से कोई भी रखे, ताकि हम यह न सोचें कि हमारे तरीके ... और पद्धतियां बेहतर हैं या हम अपने आस-पास के लोगों की तुलना में किसी तरह बेहतर और श्रेष्ठ हैं।

हमारे एविएशन सेक्टर की प्रतिष्ठा को क्षति पहुंचेगी

एडिट.नोट

मनुष्य को अपनी बुद्धि-क्षमता और टेक्नोलॉजी की ईजाद पर हमेशा गुरूर रहता है। लेकिन कभी-कभी यही टेक्नोलॉजी हमें असहनीय दर्द भी दे जाती है। अहमदाबाद में एअर इंडिया की फ्लाइट जिस तरह से क्रैश हुई है, वह घटना हमें विचलित कर देने वाली है। टेक्नोलॉजी की प्रगति से हमें जो आत्मविश्वास मिला है, वो ऐसे हादसों से हिल जाता है। विमान से सफर करने से पहले बोर्डिंग पास लेकर हम कितने बेफिक्र हो जाते हैं। बोर्डिंग की सूचना की राह देखते एयरपोर्ट पर कितनी तसल्ली से टहलते हैं। हमारी टेक्नोलॉजी पर हमें कितना भरोसा है। लेकिन पल-भर में वह भरोसा छिन्न-भिन्न हो जाता है। अहमदाबाद से लंदन जा रही उस फ्लाइट में 242 यात्री सवार थे। उन्हें कहां पता था कि उनका विमान पूरी तरह टेकऑफ करने के पहले ही पक्षाघात के शिकार किसी व्यक्ति की तरह ढह जाएगा और आग की लपटों में घिर जाएगा। विजय रूपाणी, गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री भी इसी फ्लाइट में बिजनेस क्लास में थे।

बताया जाता है कि फ्लाइट में बैठे एक सहयात्री ने उनकी फोटो अपने परिवार को भेजी थी। वो तस्वीर हमें सन्न कर देती है। मृत्यु के कुछ क्षण पहले की किसी व्यक्ति की तस्वीर उनकी मृत्यु के बाद हमें कितने सारे संदेश देती है? अमेरिकन बोइंग कंपनी का 787 विमान आधुनिक है। ये विमान दो दशकों से उड़ान भर रहा है। अगर एक इंजन फेल हो जाए तो दूसरे इंजन की वर्टिकल स्टैबलाइजर की उसमें सुविधा है। अचानक मौसम खराब होने पर भी ये यात्रियों की बेहतर सुरक्षा करता है। ये विमान जब बाजार में आया तो सपनों की उड़ान माना गया था। नाम ही उसका ड्रीमलाइनर था। लेकिन अहमदाबाद में टेकऑफ के बाद वो 2 मिनट भी हवा में न रह सका। करीब 650 फीट से ऊपर नहीं जा सका।अभी इस बारे में कुछ भी कहना बहुत जल्दी होगा कि यह हादसा कैसे हुआ। हमें नहीं पता कि यह दुर्घटना पायलट की भूल के कारण हुई या ये महज एक टेक्निकल फेल्योर है। लेकिन एक बहुत गहरा सदमा इस मर्मांतक हादसे से भारतवासियों को लगा है। बोइंग 787 के साथ होने वाला ये पहला इतना घातक हादसा है। इस हवाई जहाज के पहले बोइंग 737 भी काफी विवादों में रहा था। लेकिन इस दुघटना से अमेरिकन बोइंग कंपनी की आबरू और एअर इंडिया की प्रतिष्ठा- दोनों को क्षति पहुंची है। जिस तरह से यह घटना हुई है, वो इसे कभी भी भुला नहीं पाएंगे। ये विमान 242 यात्रियों को लेकर लंदन जा रहा था। उसकी टंकी ईंधन से भरी हुई थी। इसलिए जब विमान जमींदोज हुआ तो आग की भयानक लपटों में घिर गया।

हालत यह है कि यात्रियों की मृत देह की शिनाख्त करना भी अब बेहद मुश्किल हो गया है। डीएनए टेस्ट से अगर कुछ पता चले तो चले। मृतकों की जो तस्वीरें आई हैं, वो बता रही हैं कि जब टेक्नोलॉजी हमें गच्चा देती है तो वो कितनी घातक भी हो सकती है। एअर इंडिया का ये विमान एयरपोर्ट के बाजू में ही स्थित मेघानी नगर में जाके गिरा। यहां दलितों की एक बहुत बड़ी, पुरानी बस्ती है और एक बड़ा हॉस्पिटल कॉम्प्लेक्स है। सचिन प्रजापति होम लोन का बिजनेस करते हैं। मेघानी नगर में ही उनका घर है। अपने चाचा राजू भाई के साथ वो अपने घर में बैठे थे। करीब 1:45 बजे अचानक एक धमाकेदार आवाज उन्होंने सुनी। वो दौड़कर बाहर आए। 200 मीटर की दूरी पर उन्होंने वह खौफनाक नजारा देखा तो अपनी आंखों पर यकीन नहीं कर पाए। मेडिकल कॉलेज में काम करने वाले और पढ़ने वाले इंटर्न्स की जो हॉस्टल थी, उस पर हवाई जहाज तीन टुकड़ों में गिरा पड़ा था। अफरातफरी मची थी। सचिन कहते हैं, विमान नहीं था आग का गोला था। वे अपने दूसरे पड़ोसियों के साथ हॉस्टल की बिल्डिंग और खाने की मेस की तरफ भागे। इंटर्न्स को बचाने में उन्होंने और उनके मित्रों ने सहायता की। अफसोस कि वे काफी लोगों को बचा न पाए। भारत में एविएशन इंडस्ट्री में उछाल आया है। बहुत सारे एयरपोर्ट नए बन रहे हैं। एअर इंडिया- जो सरकारी कंपनी थी- उसे टाटा ने खरीदा है और वह 400 से ज्यादा नए विमान खरीदने वाली है।मुंबई, दिल्ली और अहमदाबाद के नजदीक भी नए एयरपोर्ट बन रहे हैं। एविएशन की दुनिया में भारत चौथे नंबर पर है।

निकलस क्रिस्टॉफ - लेखक

ईरान और इजराइल अब एक बड़े संघर्ष की ओर बढ़ रहे हैं

इजराइल ने ईरान पर जो दु:साहसी प्रहार किया है, उससे मध्य-पूर्व में एक और युद्ध छिड़ सकता है। ऐसे में ट्रम्प के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि इस क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों की रक्षा कैसे करें और इस मुसीबत से अमेरिका को जितना सम्भव हो उतना दूर कैसे रखें। नेतन्याहू ने अपने इस नए सैन्य-अभियान को यह कहकर उचित ठहराया है कि ईरान उसके अस्तित्व के लिए खतरा बन रहा है। और यह सच है कि ईरान ने इतने पैमाने पर यूरेनियम को एनरिच कर लिया था कि उससे इजराइल के लिए चिंताजनक हालात निर्मित हो गए थे। यूरेनियम एनरिचमेंट एटम बम बनाने की प्रक्रिया है, जिसके तहत यूरेनियम में यूरेनियम-235 के कंसंट्रेशन को बढ़ाया जाता है। माना जा रहा था कि ईरान को कई एटम बम बनाने के लिए जरूरी सामग्री प्राप्त करने में बस कुछ ही सप्ताह बाकी थे, हालांकि बम बनाने और उन्हें डिलीवर करने के तरीके तक पहुंचने में अभी ईरान को बहुत समय लगता।

लेकिन ईरान के बढ़ते खतरनाक मंसूबों का एक प्रमुख कारण ईरान के साथ अपने व्यवहार में नेतन्याहू और ट्रम्प द्वारा अतीत में की गई भारी गलतियां भी थीं। नेतन्याहू के मजबूत समर्थन के चलते ट्रम्प ने 2018 में ओबामा द्वारा किए परमाणु समझौते से खुद को अलग कर लिया था, जिसमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम को काफी हद तक नियंत्रित किया गया था।

ट्रम्प को उम्मीद थी कि इसके बाद ईरान घुटनों पर चलकर उनके पास आएगा और रियायतों की मांग करेगा। लेकिन ईरान ने इसके उलट अपने यूरेनियम एनरिचमेंट में तेजी ला दी। एक पूर्व इजराइली सुरक्षा अधिकारी ने 2018 की डील को रद्द करने के फैसले को एक हादसा बताया है, वहीं दूसरे ने कहा है कि यह एक ऐतिहासिक भूल थी।नेतन्याहू की आक्रामकता तब भी काम नहीं आई थी, और अब भी इसके कारगर होने की संभावना नहीं लगती। ईरान पर इजराइल की हालिया बमबारी का मकसद ईरान के साथ मूल परमाणु समझौते को कुछ हद तक बहाल करने के ट्रम्प के हालिया कूटनीतिक प्रयासों को कमजोर करना भी हो सकता है।इस पर पूरी दुनिया की नजर रहेगी कि इजराइल की ईरान पर इस बमबारी के क्या परिणाम होते हैं। लेकिन इस बात पर हमेशा से संदेह किया जाता रहा है कि क्या ईरान के परमाणु-कार्यक्रम स्थल को नष्ट किया जा सकता है? कम से कम अमेरिकी बंकर-बस्टर बमों के बिना तो यह मुमकिन नहीं है, क्योंकि वह जमीन के भीतर बहुत गहराई में स्थित है।यह स्पष्ट नहीं है कि इसे निशाना बनाया गया है या नहीं। इजराइल ने उन आवासों पर भी बमबारी की है, जहां परमाणु वैज्ञानिक रहते हैं, और यह कदम अधिक असरदार हो सकता है। सैन्य विशेषज्ञ वर्षों से कहते आ रहे हैं कि ईरान के लिए अपने सेंट्रीफ्यूज बदलना सरल है, लेकिन नए परमाणु वैज्ञानिकों को खोजना उसके लिए टेढ़ी खीर होगी।लेकिन नतीजे उलटे भी हो सकते हैं, क्योंकि इस तरह के हमले ईरान के परमाणु हथियारों के लिए अभियान को और तेज कर सकते हैं। इसके लिए ईरानी नेताओं द्वारा तर्क दिया जाएगा कि इससे पता चलता है उनके मुल्क को न्यूक्लियर डिटरेंट की कितनी आवश्यकता है। न्यूक्लियर डिटरेंट उस स्थिति को कहते हैं, जब किसी देश के परमाणु-हथियार सम्पन्न होने पर दूसरे देश उस पर हमला करने से बचते हैं।

यहां इस बात को याद रखना जरूरी है और ईरान की मेरी रिपोर्टिंग-यात्राओं में भी यह सामने आया है कि ईरान के लोगों में उनकी हुकूमत बहुत अलोकप्रिय हो चुकी है। आम ईरानी श्रमिक, किसान आदि लगातार भ्रष्टाचार, पाखंड और आर्थिक कुप्रबंधन के बारे में शिकायत करते रहते हैं। इसके बावजूद विदेशी हमले की स्थिति में वे सभी ईरानी झंडे के नीचे एकजुट होंगे।यह तय है कि ईरान इजराइल पर जवाबी हमला बोलेगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह इराक, बहरीन या मध्य-पूर्व में कहीं और अमेरिकी ट्रुप्स को भी निशाना बनाएगा और किस हद तक? हम मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव को एक ऐसे बड़े क्षेत्रीय युद्ध की ओर जाते देख सकते हैं, जिसे कोई नहीं चाहता।युद्ध की स्थिति में अमेरिकी सैनिक और दूतावास भी खतरे में होंगे, और ट्रम्प के लिए उन्हें बचाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि वे अमेरिका को इस लड़ाई से दूर रखें और परमाणु-समझौते को फिर से शुरू करने का प्रयास करें।आर्म्ड सर्विस कमेटी के शीर्ष डेमोक्रेट सेनेटर जैक रीड ने चेताया है कि नेतन्याहू ने आक्रामकता को बढ़ाने में लापरवाही का प्रदर्शन किया है, जो एक व्यापक क्षेत्रीय-हिंसा को भड़का सकता है।

बिजनेस

सेबी ने रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट पर कसा शिकंजा, बैंक-डीमैट खाते जब्त करने का आदेश

इंदौर। सेबी ने रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 26 करोड़ रुपये की बकाया राशि वसूलने के लिए उसके बैंक, डीमैट खातों और म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स को जब्त करने का आदेश दिया है। यह कदम रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड की ओर से अवैध फंड डायवर्जन के संबंध में नवंबर में जारी नोटिस के बाद उठाया गया है।बाजार नियामक ने 14 नवंबर को रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (जिसे अब आरबीईपी एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को एक नोटिस भेजा था और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) के मामले में धन के अवैध डायवर्जन से संबंधित आरोपों पर इकाई को 15 दिनों के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने को कहा था।

नोटिस के अनुसार, रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट पर 26 करोड़ रुपये बकाया थे, जिसमें ब्याज और वसूली लागत शामिल थी। नोटिस के अनुसार, सेबी ने कहा कि यह मानने के लिए पर्याप्त कारण हैं कि चूककर्ता बैंक खातों और डीमैट खातों या म्यूचुअल फंड फोलियो में प्रतिभूतियों का निपटान कर सकता है और ₹इससे, देय राशि की वसूली में देरी या बाधा उत्पन्न होगी₹।

इसलिए, सेबी ने सभी बैंकों, डिपॉजिटरीज और म्यूचुअल फंडों से कहा कि वे खातों से किसी भी प्रकार की डेबिट की अनुमति न दें। पिछले सप्ताह नियामक ने कंपनी से धन के अवैध हस्तांतरण के लिए 78 करोड़ रुपये की बकाया राशि वसूलने के लिए तीन संस्थाओं को कुर्की नोटिस भेजा था।

ये संस्थाएं हैं, आधार प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एंड कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड, इंडियन एग्री सर्विस प्राइवेट लिमिटेड और मोहनबीर हाई-टेक बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड। इस वर्ष अगस्त में सेबी ने उद्योगपति अनिल अंबानी, रिलायंस होम फाइनेंस के पूर्व प्रमुख अधिकारियों सहित 24 अन्य संस्थाओं को कंपनी से धन के हेर-फेर के लिए प्रतिभूति बाजार से पांच वर्ष के लिए प्रतिबंधित कर दिया था।

सेबी ने अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया है और उन्हें पांच साल के लिए किसी भी सूचीबद्ध कंपनी या बाजार नियामक के साथ पंजीकृत किसी भी मध्यस्थ में निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) के रूप में प्रतिभूति बाजार से जुड़ने पर रोक लगा दी है। इसके अलावा, नियामक ने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) को प्रतिभूति बाजार से छह महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया और उस पर 6 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया।

राज-काज

शेयर बाजार में इस हफ्ते तेजी का अनुमान

मुंबई। इस सप्ताह 100 से ज्यादा कंपनियां अपने मार्च 2025 तिमाही यानी चौथी तिमाही के नतीजे जारी करेंगी। टेक्नोलॉजीज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इक लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, टेक महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसी बड़ी कंपनियों के भी रिजल्ट्स आएंगे। बाजार की यूरोपियन यूनियन और चीन के साथ अमेरिका की ट्रेड वार्ता पर कड़ी नजर रहेगी। अमेरिका ने चीन को छोड़कर सभी ट्रेड पार्टनर्स के लिए टैरिफ रेट के इम्प्लिमेंटेशन को 90 दिनों तक रोक दिया है। पिछले हफ्ते अमेरिका ने चीन के प्रोडक्ट्स पर 245% टैरिफ की घोषणा की, जिससे दोनों देशों के बीच ट्रेड टैरिफ वॉर बढ़ गई। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों की-पार्टनर्स के साथ समझौते पर पहुंचने की बात कही है। इस बीच पिछले हफ्ते भारतीय इक्विटी में निवेशकों की भावना इस उम्मीद से बढ़ी कि अमेरिका-चीन व्यापार विवाद भारत को नुकसान नहीं।

तीसरी तिमाही में टीसीएस का शुद्ध मुनाफा 11.95 प्रतिशत बढ़कर 12,380 करोड़ हुआ

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा निर्यातक कंपनी टीसीएस ने गुरुवार को तीसरे तिमाही के वित्तीय परिणाम जारी किए। कंपनी ने बताया कि दिसंबर तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 11.95 प्रतिशत बढ़कर 12,380 करोड़ रुपये हो गया। टाटा समूह की कंपनी ने एक साल पहले इसी तिमाही में 11,058 करोड़ रुपये और एक तिमाही पहले 11,909 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हासिल किया था।

समीक्षाधीन तिमाही के दौरान इसकी कुल आय 6.13 प्रतिशत बढ़कर 65,216 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 61,445 करोड़ रुपये थी और यह पिछली सितम्बर तिमाही के 64,988 करोड़ रुपये से अधिक थी।कुल व्यय 6.33 प्रतिशत बढ़कर 48,550 करोड़ रुपये हो गया, जो एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में 45,658 करोड़ रुपये था। टीसीएस के शेयर गुरुवार को बीएसई पर 1.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,036.65 रुपये पर बंद हुआ। इस बीच, कंपनी ने एक बयान में कहा कि तिमाही के अंत में उसके कर्मचारियों की संख्या 5,000 से ज्यादा कम हुई और अब यह घटकर 6,07,354 रह गई है। कंपनी ने शेयरधारकों को 10 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभाश और 66 रुपये प्रति शेयर का विशेष लाभांश देने का भी एलान किया है।

इस्त्राइल-ईरान संघर्ष से सोना एक लाख रुपये के पार, चांदी ने दोबारा छुआ शिखर

नई दिल्ली। भू-राजनीतिक तनाव के बीच शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में सोने की कीमत बड़ा उछाल आया। सोने का भाव 2,200 रुपये की तेजी के साथ 1,01,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गया। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाली पीली धातु का भाव 1,900 रुपए बढ़कर 1,00,700 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। अखिल भारतीय सरार्फा संघ ने इसकी पुष्टी की है। इससे पहले 22 अप्रैल को सोना 1,800 रुपये चढ़कर 1,01,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।इसके अलावा, शुक्रवार को चांदी की कीमत 1,100 रुपये बढ़कर 1,08,100 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। सोमवार को चांदी ने यह स्तर छुआ था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर बहुमूल्य धातु के सबसे अधिक कारोबार वाले अगस्त डिलीवरी अनुबंध सुबह के कारोबार में 2,011 रुपये की तेजी के साथ 1,00,403 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गए।वैश्विक स्तर पर सोना हाजिर 28.30 डॉलर प्रति औंस या 0.84 प्रतिशत बढ़कर 3,415.13 डॉलर प्रति औंस हो गया। मेहता इक्विटीज के कमोडिटीज के उपाध्यक्ष राहुल कलंत्री ने कहा कि सोने की कीमतों ने नई ऊंचाई को छूआ । यह एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम को पार कर गईं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना 3,440 डॉलर प्रति औंस से ऊपर चला गया। बढ़ती वैश्विक अस्थिरता के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश की ओर आकर्षित हुए। इस्त्राइल-ईरान संघर्ष और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की एकतरफा टैरिफ धमकियों ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। इसके अलावा, उम्मीद से कम अमेरिकी मुद्रस्फीति के आंकड़ों ने ब्याज कटौती की उम्मीदों को मजबूत किया, जिससे सोने की मांग बढ़ गई।

भारतीय नौसेना द्वारा ली गई इस तस्वीर में, भारतीय नौसेना केरल तट पर जहाज एमवी वान हाई 503 पर लगी आग पर काबू पाने के लिए अभियान चला रही है।

एमपी में 60Km/घंटा रहेगी हवा की रफ्तार, मानसून आने तक ऐसा ही मौसम

भोपाल-ग्वालियर समेत 47 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

संवाददाता ● भोपाल

मानसून

मानसून की एंट्री से पहले मध्यप्रदेश में तेज आंधी और बारिश का दौर जारी है। शनिवार को कई जिलों में तेज आंधी चली। उज्जैन में रेलवे ट्रैक पर पेड़ गिरने से कई ट्रेनें प्रभावित रहीं। वहीं, नीमच में टीनशेड उड़ गया। ऐसा ही मौसम रविवार को भी बना रहेगा। मौसम विभाग ने भोपाल, इंदौर समेत कुल 47 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। जिन जिलों में रविवार को आंधी-बारिश होगी। उनमें भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, रीवा, पन्ना, दमोह, मंडला, बालाघाट, सिवनी, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, सीहोर, शाजापुर, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, धार, अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, मंदसौर, श्योपुर, शिवपुरी, अशोकनगर, गुना, राजगढ़, आगर-मालवा, सतना, मैहर, मऊगंज, कटनी, जबलपुर, डिंडौरी और नीमच शामिल हैं। यहां हवा की रफ्तार 40 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा तक हो सकती है।

उज्जैन में तेज आंधी चली, भोपाल-इंदौर में बारिश – इससे पहले प्रदेश में आंधी-बारिश हुई। शनिवार को भी छिंदवाड़ा, खजुराहो, सागर, सिवनी, बालाघाट, धार, उज्जैन, जबलपुर, नीमच और शाजापुर जिले में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई है। नीमच में आंधी से एक मकान पर टीनशेड उड़ गया। छिंदवाड़ा में पौन इंच के करीब पानी गिर गया। आंधी के कारण उज्जैन के पास बेरछा और पीर अमरूद के बीच रेलवे ट्रैक पर पेड़ गिर गया। जिससे कई ट्रेन प्रभावित हुई है। भोपाल से चलकर दाहोद जाने वाली 19340 गाड़ी को बीच में रोकना पड़ा। काफी देर तक ट्रेनें रुकी रहीं। दूसरी ओर, तेज गर्मी का असर भी रहा। नर्मदापुरम में सबसे ज्यादा 45.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। वहीं, छतरपुर जिले के खजुराहो में 44.7 डिग्री और नौगांव में 44.6 डिग्री रहा। सतना में 43.1 डिग्री, सीधी में 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दमोह, शाजापुर, टीकमगढ़, रीवा, नरसिंहपुर, खरगोन, गुना, शिवपुरी, उमरिया, खंडवा, बैतूल और सागर में भी पारा 40 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक रहा। प्रदेश के 5 बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 40.4 डिग्री, इंदौर में 38.8 डिग्री, ग्वालियर में 42.5 डिग्री, उज्जैन में 40 डिग्री और जबलपुर में पारा 40.3 डिग्री सेल्सियस रहा।

एक-दो दिन में एंट्री करेगा मानसून

इस बार देश में मानसून 8 दिन पहले ही आ गया था। वहीं, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में यह तय समय से पहले पहुंच गया। ऐसे में अनुमान था कि मध्यप्रदेश में यह जून के पहले सप्ताह में ही आ जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पिछले 15 दिन से मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में एक ही जगह पर ठहरा रहा। इस वजह से एमपी में इसकी एंट्री नहीं हो पाई। हालांकि, अब मानसून आगे बढ़ने लगा है। इसलिए अब यह प्रदेश में 16-17 जून तक पहुंच सकता है। बता दें कि एमपी में मानसून के प्रवेश की सामान्य तारीख 15 जून ही है। पिछले साल यह 21 जून को एंटर हुआ था।

लगातार 43 दिन तक बारिश होने का रिकॉर्ड

इस बार गर्मी में भी लगातार 43 दिन तक बारिश होने का रिकॉर्ड बना है। प्रदेश में 26 अप्रैल से आंधी-बारिश का दौर शुरु हो गया था, जो 7 जून को भी जारी रहा। यानी, लगातार 43 दिन से प्रदेश के किसी न किसी जिले में पानी गिरा या आंधी चली। 44वें दिन आंधी-बारिश का दौर थमा रहा, लेकिन इसके बाद फिर से बारिश शुरु हो गई। पूरे मई महीने में आंधी, बारिश और ओले वाला मौसम रहा। एक भी दिन ऐसा नहीं रहा, जब प्रदेश के किसी न किसी जिले में आंधी-बारिश न हुई हो। एमपी में ऐसा पहली बार हुआ। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-जबलपुर समेत कुल 53 जिले भीग गए। सिर्फ निवाड़ी ही ऐसा जिला रहा, जहां बूंदाबांदी तो हुई, लेकिन दर्ज नहीं हो सकी।

शॉर्ट न्यूज

प्रेमिका के घर के सामने खुद को लगाई आग

ग्वालियर। ग्वालियर में सिकंदर कंपू के पास स्थित पटिया वाले बाबा मोहल्ले में 24 वर्षीय अजय कुशवाहा ने रिलेशनशिप में आ रही परेशानियों से तंग आकर प्रेमिका के घर के बाहर खुद को आग लगा ली। घटना शुक्रवार-शनिवार रात 12:30 बजे की है। 75 प्रतिशत तक झुलसने के कारण युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे जयारोग्य अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवक मोहल्ले की एक युवती से प्रेम करता है और कुछ दिनों से उनके रिश्तों में तकरार चल रही थी। शुक्रवार देर रात युवक ने युवती के घर के सामने पहुंचकर खुद पर पेट्रोल छिड़का और आग लगा दी।

कार पर नंबर की जगह विधायक लिखा, कटा चालान

ग्वालियर। ग्वालियर में शाम को यातायात पुलिस ने नियमों की अनदेखी करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान एक सेल्टोस कार पकड़ी गई, जिसकी नंबर प्लेट की जगह पर 'विधायक' लिखा हुआ था। पुलिस ने जब कार चालक से पूछताछ की, तो उसने खुद को भाजपा के पिछोर विधायक का रिश्तेदार बताया। हालांकि, पुलिस ने वाहन नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई करते हुए मोटर व्हीकल एक्ट के तहत जुर्माना लगाया। इस दौरान चालक ने काफी देर तक पुलिस अधिकारियों से बहस भी की, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ और आखिरकार जुर्माना भरना पड़ा। यातायात एएसपी कृष्णा लालचंदानी और एएसपी नरेशबाबू अन्नोटिया के मार्गदर्शन में कंपू थाना पुलिस ने औचक चेकिंग अभियान चलाया जिसके आगे और पीछे कहीं भी रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं था।

सीवर चेंबर में गिरी 15 साल की बच्ची की मौत

शिवपुरी। शिवपुरी के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित संतुष्टि अपार्टमेंट में शनिवार रात 15 साल की बच्ची की सीवर चेंबर में गिरने से मौत हो गई। कारोबारी देवेंद्र भदौरिया की 15 वर्षीय बेटी उत्सविका रात करीब 8 बजे सोसाइटी के बच्चों के साथ खेल रही थी। इसी दौरान सीवर चेंबर के टूटे हुए ढक्कर पर उसका पैर पड़ा और वह उसमें गिर गई। जानकारी के मुताबिक हादसे के समय उत्सविका का छोटा भाई भी उसके पीछे था। वह भी गिरने वाला था, लेकिन एक व्यक्ति ने समय रहते उसे पकड़ लिया। पुलिस और नगर पालिका को सूचना दी। करीब चार घंटे चले SDERF के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद रात 12 बजकर 40 मिनट पर बच्ची का शव चेंबर से निकाला गया। जानकारी के अनुसार, अपार्टमेंट में दो से तीन डुप्लेक्स के बीच करीब 15-15 फीट गहरे सीवर चेंबर बने हैं। इन पर लगे ढक्कन पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं, जिससे चेंबर का हिस्सा खुला है।

एयर इंडिया सेवा में फेल, देना होगा जुर्माना

नहीं लौटाए टिकट के पैसे, उपभोक्ता फोरम ने ठहराया दोषी

संवाददाता ● भोपाल

जुर्माना

भोपाल के रहने वाले युवकय की शिकायत पर उपभोक्ता फोरम ने एयर इंडिया को सेवा में लापरवाही का दोषी पाया है। देश की प्रमुख एयरलाइन मानी जाने वाली एयर इंडिया को अब टिकट की राशि लौटाने के साथ-साथ मानसिक परेशानी और वाद खर्च के लिए जुर्माना भी देना होगा। फैसला भोपाल जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग की बेंच-2 (अध्यक्ष गिरिबाला सिंह, सदस्य अंजुम फिरोज और प्रीति मुद्गल) ने सुनाया। फोरम ने एयर इंडिया को 22,908 की टिकट राशि, 7% सालाना ब्याज, 10,000 मानसिक क्षतिपूर्ति और 5,000 वाद व्यय अदा करने का आदेश दिया है। यदि दो महीने में भुगतान नहीं किया गया तो एयर इंडिया को 9% सालाना ब्याज भी देना होगा।

परिवादी डॉक्टर रागित पी. राजेश, जो एयरफोर्स में पदस्थ हैं, के पिता राजेश पिल्लई ने बताया कि उन्होंने 28 सितंबर 2020 को एयर इंडिया से 18 अक्टूबर की तारीख के लिए पोर्ट ब्लेयर से कोलकाता और फिर कोलकाता से दिल्ली की यात्रा हेतु टिकट बुक किया था, जिसकी कीमत 12,181 रुपए थी। इसके बाद,

23 अक्टूबर को उन्होंने एक और टिकट मुंबई से पोर्ट ब्लेयर वाया चेन्नई के लिए 17 नवंबर की तारीख की बुकिंग की, जिसकी राशि 10,727 रुपए थी। दोनों टिकटों की कुल राशि 22,908 रुपए थी, जिसे समय पर भुगतान किया गया। पिल्लई ने बताया कि बाद में जब फ्लाइट रद्द कर दी गई, तो एयर इंडिया ने रिफंड नहीं किया। उल्टा एक फर्जी रिफंड लेटर भेजकर मामले को टालने की कोशिश की गई। हमने बार-बार ईमेल किए, कई बार कॉल करने की कोशिश की, लेकिन किसी भी माध्यम से कोई जवाब नहीं मिला। एयर इंडिया का कस्टमर केयर से संपर्क करना बेहद मुश्किल है। हमें भरोसा है कि हमारी तरह कई अन्य यात्री भी इस तरह की परेशानी झेल रहे होंगे। एयर इंडिया को अपनी व्यवस्था में सुधार कर यात्रियों की समस्याओं का समय पर समाधान करना चाहिए।

BJP के प्रशिक्षण वर्ग के बीच कांग्रेस भी एक्टिव

भोपाल। पचमढ़ी में भाजपा विधायकों और सांसदों के प्रशिक्षण वर्ग के बीच, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी भोपाल दौरे पर आ रहे हैं। वे पार्टी के संगठन सृजन अभियान को लेकर ब्लॉक और जिला स्तर पर आयोजित बैठकों में शामिल होंगे। चौधरी 19 जून तक मध्यप्रदेश में रहेंगे। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत चौधरी अगले पांच दिन तक प्रदेश के अलग-अलग जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान जिलों में पार्टी द्वारा नियुक्त जिला संगठन सृजन प्रभारियों के दौरे भी शुरू हो चुके हैं। ये प्रभारी जिलों में जाकर मंडलम, सेक्टर और ब्लॉक इकाइयों की बैठकें ले रहे हैं।

प्रदेश प्रभारी चौधरी 4 दिन के लिए एमपी के दौरे पर

ये रहेगा कार्यक्रम

15 जूनः हरीश चौधरी आज भोपाल आएंगे।

16 जूनः सुबह रायसेन जिले के सिलवानी जाएंगे और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिलवानी की बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद भोपाल लौटकर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में विदिशा पायलट प्रोजेक्ट पर संगठनात्मक बैठक लेंगे।

17 जूनः बैतूल जिले के मुलताई विधानसभा के प्रभातपट्टन में संगठन सृजन अभियान की बैठक में भाग लेंगे। फिर आठनेर ब्लॉक के माडवी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। इसी दिन हरदा जिले के करताना में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक भी लेंगे।

18 जूनः विदिशा जिले के गंजबासौदा में जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद भोपाल में संगठनात्मक बैठक में भाग लेंगे।

इन बीमारियों का होगा इलाज

मप्र में बनेगा देश का पहला आधुनिक यूनानी हम्माम

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश सरकार देश का पहला आधुनिक यूनानी हम्माम (यूनानी बाथ थैरेपी सेंटर) बनाने जा रही है। 'हम्माम' एक अरबी शब्द है, जिसका अर्थ है गर्म स्नानगृह। यह यूनानी चिकित्सा पद्धति का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है, जिसका उपयोग मोटापा, त्वचा रोग, मधुमेह और अन्य रोगों के प्राकृतिक उपचार में होता है। कलियासोत की पहाड़ी पर स्थित हकीम सैयद जियाउल हसन शासकीय यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय के परिसर में इस आधुनिक हम्माम का निर्माण प्रस्तावित है। इस परियोजना के लिए लगभग तीन करोड़ रुपये की डीपीआर (डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनाकर आयुष विभाग को भेजी जा चुकी है।

अगली वित्त समिति की बैठक के एजेंडे में इसे शामिल किया गया है। इस हम्माम में तीन अलग-अलग कमरे होंगे, जिनमें भट्ठी युक्त स्नानगृह और उपचारात्मक कक्ष शामिल होंगे। आयुष विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह पहल न केवल पारंपरिक चिकित्सा को मजबूती देगी, बल्कि मध्यप्रदेश को मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में एक नई पहचान भी दिलाएगी। इस प्रोजेक्ट को तैयार करने में लगभग छह महीने का समय लगा। विशेषज्ञों ने नवाबी दौर के हम्मामों पर रिसर्च कर इसका मॉडल तैयार किया है। इस हम्माम में तीन अलग-अलग कमरे होंगे, जिनमें अलग-अलग तापमान होगा और हर कमरे में 10 से 15 मिनट तक रहने की सलाह दी जाएगी। इन तीन चरणों में व्यक्ति को बारी-बारी से रखा जाएगा, ताकि शरीर की मांसपेशियों में गर्मी प्रवेश कर सके, जिससे जोड़ों के दर्द, त्वचा रोग और मोटापे जैसी समस्याओं का इलाज संभव होगा।

आधुनिक तकनीक से लैस होगा हम्माम – यह हम्माम आधुनिक तकनीक से लैस होगा, जिसमें तापमान नियंत्रण, भाप की व्यवस्था, स्नान व्यवस्था और चिकित्सकीय निगरानी की पूरी सुविधा होगी। भोपाल का यह हम्माम न केवल प्रदेश बल्कि पूरे भारत के लिए एक मिसाल बनने जा रहा है। यूनानी पद्धति को वैज्ञानिक और तकनीकी रूप से समृद्ध बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हम्माम की अवधारणा नवाबी दौर में लोकप्रिय थी, अब उसे वैज्ञानिक और तकनीकी स्वरूप दिया जा रहा है। मप्र इस क्षेत्र में देश का पहला राज्य बनने जा रहा है, जहां सरकारी स्तर पर ऐसा हम्माम बनेगा।

एमपी के बीजेपी सांसद-विधायकों के प्रशिक्षण वर्ग का दूसरा दिन

SC-ST प्रभाव वाली विधानसभा सीटों पर हो रही चर्चा, अलग-अलग ग्रुप बनाए गए

संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश के हिल स्टेशन पचमढ़ी में भाजपा सांसदों और विधायकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग जारी है। आज वर्ग का दूसरा दिन है, जिसमें भाजपा सामाजिक और भौगोलिक कार्य विस्तार की रणनीति पर विशेष रूप से चर्चा कर रही है। खासकर SC-ST प्रभाव वाली विधानसभा सीटों को लेकर अलग-अलग ग्रुप बनाए गए हैं और नेताओं द्वारा इन पर सत्र लिए जा रहे हैं।

वहीं, सुबह आयोजित योग सत्र के दौरान रामपुर बघेलान विधायक विक्रम सिंह शॉट्र्स और स्पोर्ट्स ड्रेस में दौड़ते हुए पहुंचे। गेट पर मौजूद पुलिसकर्मी उन्हें पहचान नहीं सके और रोक लिया गया। विधायक ने खुद को परिचित कराने के बाद ही प्रवेश पाया। इधर, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मीडिया से कहा कि भाजपा की कार्यपद्धति में यह प्रशिक्षण कोई नई बात नहीं है। इसमें सिर्फ हमारी विचारधारा से संबंधित चर्चा होती है। वहीं, विवादित बयान को लेकर चर्चा में रहे मंत्री विजय शाह भी प्रशिक्षण स्थल पहुंचे, लेकिन

मीडिया से बचते हुए सीधे होटल के भीतर चले गए। आज के सत्रों में बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, और हितानंद शर्मा जैसे वरिष्ठ नेता विभिन्न विषयों पर सांसदों और विधायकों को संबोधित करेंगे।

अमित शाह ने किया था प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन

तीन दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एमपी के सांसद-विधायकों से कहा कि एक बार गलती हो जाती है, लेकिन दोबारा न हो। इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश सरकार के सभी मंत्री-विधायक, लोकसभा-राज्यसभा सांसद शामिल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पूरे तीन दिन कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहेंगे।

पंडितों के की कामना बोले- जनता की सुरक्षा के लिए ऐसा किया

भोपाल के 90 डिग्री टर्न वाले ब्रिज पर पूजा-पाठ

संवाददाता ● भोपाल

सुरक्षा

भोपाल के ऐशबाग इलाके में बने 90 डिग्री एंगल के मोड़ वाले रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) पर शनिवार को कांग्रेसियों ने पूजा-पाठ कराई। झांझ-मंजिरों के साथ कांग्रेसी पंडितों के साथ ब्रिज पर पहुंचे। इस दौरान जनता की सुरक्षा की कामना के लिए पूजा-अर्चना की। ब्रिज शुरू होने के बाद इसके ऊपर से 1 लाख से ज्यादा लोग रोज गुजरेंगे। अपनी अनोखी डिजाइन को लेकर यह ब्रिज सोशल मीडिया पर सुर्खियों में है और जमकर ट्रोल हो रहा है। इसके चलते पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने भी नेशनल हाईवे अथॉरिटी इंडिया (एनएचएआई) से जांच करवाई। जिसमें गाड़ी के गुजरने के दौरान 35 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रफ्तार रखने की बात कही गई है। इससे ज्यादा रफ्तार होना खतरनाक है।

'जनता को जब पता है तो इंजीनियर क्यों नहीं समझे'

कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने बताया कि प्रदेश में निर्माण कार्यों में व्याप्त भ्रष्टाचार किसी से छिपी नहीं है। भ्रष्टाचार की अंधी दौड़ में अक्सर राज्य में इंजीनियरिंग के अद्भुत नमूने भी देखने को मिलते हैं। ऐसा ही अद्भुत नमूना अब भोपाल में भी दिखाई दे रहा है। ब्रिज पर आने के बाद वाहनों को लगभग 90 डिग्री पर मुड़ना होगा। इस एंगल पर वाहन मोड़ने पर गाड़ियां ब्रिज की दीवार से टकरा सकती हैं या सामने से आ रही गाड़ी से भी एक्सीडेंट हो सकता है। एक आम व्यक्ति भी बता सकता है कि ऐसे मोड़ों पर टर्निंग रेडियस ज्यादा होनी चाहिए। ताकि वाहन सुरक्षित गति से मुड़ सकें, लेकिन यहां तो इंजीनियर की देखरेख में ओवर ब्रिज का निर्माण हुआ है। बावजूद अब ऐसा ब्रिज बना, जो देशभर में सुर्खियों में है। शुक्ला ने कहा कि ऐसे में इतना तीखा मोड़ दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। पीडब्ल्यूडी और रेलवे की इस लापरवाही का आम जनता को भुगतान चुकाना पड़ सकता है। इसलिए आम जानता की सुरक्षा के लिए पंडितों के साथ पूजा-पाठ की है। जिससे कोई दुर्घटना नहीं हो और लोग सुरक्षित अपने घर पहुंच सकें। इस दौरान कांग्रेस प्रवक्ता मुकेश पंथी, अमित खत्री, पूर्व पार्षद आशाराम शर्मा, दीपक दीवान, अलमास अली, मो. फहीम, तारिक अली, अनूप पांडे, मो. राजिक, अनस उर रहमान आदि भी मौजूद थे।

फिल्म 'खून भरी मांग' में रेखा के साथ काम करने को कैसे तैयार हुए कबीर बेदी

राकेश रोशन की हिट फिल्म 'खून भरी मांग' में बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर कबीर बेदी की भूमिका उनके करियर की सबसे बेहतरीन भूमिकाओं में से एक है। उन्होंने इस फिल्म में लीड रोल मिला था, जो खलनायक बन जाता है और अपनी पत्नी (रेखा) को मगरमच्छों को खिलाकर मारने की कोशिश करता है। हाल ही में एक्टर ने इस फिल्म को लेकर बात की है। हाल ही में एक्टर कबीर ने बताया कि कैसे राकेश रोशन ने उन्हें टॉम सेलेक के साथ हॉलीवुड सीरीज मैग्नम पीआई की शूटिंग के दौरान खतरनाक विलेन का किरदार निभाया था। हालांकि कबीर ने खुलासा किया कि वो इस रोल को निभाने के लिए अनिच्छुक थे। मैं हॉलीवुड प्रोजेक्ट और विदेश में अपने करियर पर फोकस कर रहा था। इस बीच मुझे राकेश रोशन का फोन आया और उन्होंने कहा मैं एक फिल्म बना रहा हूं और मैं तुम्हें हीरो के तौर पर लेना चाहता हूं। बताया जाता है कि राकेश रोशन ने कबीर के सामने इस बात को एक्सेप्ट किया था कि अन्य दूसरे एक्टर्स ने उनकी फिल्म खून भरी मांग में विलेन का रोल करने से मना कर दिया था। राकेश का मानना था कि कबीर इस रोल में सबसे बेहतर लगेंगे। रेखा के साथ काम करने तुरंत राजी हुआ- कबीर

कबीर ने फिल्म में अपनी को-एक्टर रेखा के बारे में बात करते हुए कहा कि वह उनके साथ (रेखा) काम करने के लिए तुरंत क्यों राजी हो गए। कबीर ने कहा 'जब मुझे पता चला कि रेखा फिल्म में मेरे साथ हैं, तो मैंने कहा ठीक है। कबीर ने कहा- रेखा का उनके लिए बहुत सम्मान है, क्योंकि रेखा ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में टॉप सितारों में से एक बनने के लिए सभी मुश्किलों को पार किया था। इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा- 'रेखा मेरे लिए एक पहेली थी। वह हमेशा एकांतप्रिय रही हैं। जब वह आईं, तो फिल्म इंडस्ट्री ने उन्हें एक सांवली त्वचा वाली दक्षिण भारतीय अभिनेत्री के रूप में देखा, जिसके पास देने के लिए कुछ नहीं था। लेकिन उन्होंने उन सभी को गलत साबित कर दिया। वह एक्टिंग के जरिए बदसूरत बत्तख से एक सफेद हंस बन गईं।

सड़क पर ना के बराबर कपड़े पहनकर भागे पंकज त्रिपाठी

पंकज त्रिपाठी जल्द ही फिल्म मेट्रो इन दिनों में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म से पंकज का एक सीन है जो काफी वायरल हो रहा है। सीन में पंकज शर्टलेस हैं और नीचे सिर्फ कपड़े से खुद को कवर किया है और जूते नहीं पहने हैं बस सॉक्स पहने हैं और सड़क पर भाग रहे हैं। पंकज ने कभी ऐसा सीन शूट नहीं किया है। अब एक्टर ने अपने इस सीन को लेकर बात की और कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण सीन था। शॉट की बात करें तो इसमें दिखाया है कि वह डेटिंग ऐप पर स्वाइप करते हैं और इस बीच उनकी पत्नी कोंकणा से लड़ाई हो जाती है। इस सीन में पंकज लगभग न्यूड हैं। ट्रेलर में पंकज का यह सीन भी दिखा है और दिलचस्प बात यह है कि इस शूट को रियल लोकेशन पर शूट किया है जहां वह भीड़ में भाग रहे हैं। पंकज ने कहा, 'यह काफी अच्छा सीन था जो रियल लोकेशन पर शूट हुआ और मैंने ऐसा पहली बार किया है। इसमें कपड़े बस ना के बराबर थे, लेकिन ये रोल के लिए जरूरी था। ये सेंसेशनलिज्म के लिए नहीं था, ये फिल्म की स्टोरी के लिए जरूरी था।' पंकज ने आगे कहा दिलचस्प बात यह है कि इस सीन के लिए हिडन कैमरे लगाए थे जिससे लोगों के रियल रिएक्शन कैप्चर हुए। हमें तो पता नहीं चला शूट कब शुरू हुआ। मैं नर्वस था, लेकिन इस एक्सपैरिमेंट के बिना, स्टोरीटेलिंग पूरी नहीं होती। मैं कई दिन इसकी तैयारी के लिए भागता रहा। मेट्रो इन दिनों की बात करें तो यह साल 2007 में आई फिल्म लाइफ इन मेट्रो का सीक्वल है। फिल्म में आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, के के मेनन, कोंकणा, पंकज, नीना गुप्ता, अनुपम खेर भी हैं। फिल्म 4 जुलाई को रिलीज होगी। मिड डे की रिपोर्ट के मुताबिक, पंकज त्रिपाठी ने अपनी फिल्म के वायरल सीन के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, यह सीन काफी अच्छा था और इसे रियल लोकेशन पर शूट किया गया था। मैंने ऐसा सीन पहली बार किया है, जिसमें कपड़े ना के बराबर थे। लेकिन फिल्म के लिए यह रोल बेहद जरूरी था।

दिशा पाटनी महज 500 लेकर पहुंचीं मुंबई

किराया निकालना भी था मुश्किल, बदसूरत कहने पर भड़कीं

दिशा पाटनी बॉलीवुड की सबसे फिट और ग्लैमरस एक्ट्रेस मानी जाती हैं। उनके बोल्ड अंदाज और स्टाइलिश लुक के लिए कई लोग उन्हें नेशनल क्रश भी कहते हैं। 'एम.एस. धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' में प्रियंका झा के किरदार से दिशा ने सबका दिल जीता, वहीं 'मलंग', 'भारत' और 'राधे' जैसी फिल्मों से उन्होंने पॉपुलैरिटी हासिल की। दिशा पाटनी का जन्म 13 जून 1992 को उत्तर प्रदेश के बरेली में हुआ। वो एक हिंदू कुमाऊंनी राजपूत परिवार से हैं। उनके पिता जगदीश सिंह पाटनी यूपी पुलिस में डीएसपी रह चुके हैं और मां स्वास्थ्य विभाग में अधिकारी। उनकी बड़ी बहन खुशबू पाटनी भारतीय सेना की पूर्व मेजर हैं और एक छोटा भाई सूर्यांश भी है। दिशा पाटनी को लोग भले ही फैशन आइकॉन मानते हों, लेकिन खुद दिशा इस टैग को मानने से इनकार करती हैं। रेडिफ को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, 'मैं थोड़ी टॉम बॉय हूं। बचपन में मेरे बाल आर्मी कट हुआ करते थे और मैं लड़कों जैसी दिखती थी।' उन्होंने बताया था कि उन्हें आरामदायक कपड़े पहनना पसंद हैं, जैसे बास्केटबॉल शॉर्ट्स, लूज हूडी और टी-शर्ट। दिशा पाटनी ने आगे कहा था, 'मैं बहुत सारे ऑडिशन देती थी, ज्यादातर टीवी विज्ञापनों के लिए। मेरे ऊपर लगातार ये प्रेशर होता था कि अगर इस महीने कोई काम नहीं मिला, तो किराया कैसे दूंगी। उस समय मुझे जो भी काम मिला, वो सिर्फ काम था, जब तक कि मुझे एक्टिंग से प्यार नहीं हो गया।" दिशा पाटनी ने ये भी कहा था कि उन्हें करियर की शुरुआत में कई रिजेक्शन झेलने पड़े।

'किसी से उसका जुनून...'

दीपिका पादुकोण को 'Spirit' से बाहर करने पर सुरवीन चावला का बयान

पिछले दिनों ये खबर आई थी कि दीपिका पादुकोण को संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट से बाहर कर दिया गया है। मेकर्स ने दीपिका को लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की थी लेकिन कहा गया था कि उनकी बढ़ती डिमांड्स की वजह से उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया गया। इसके बाद उनकी जगह पर तृप्ति डिमरी को साइन कर लिया गया। दीपिका ने शर्त रखी थी कि उन्हें 8 घंटे की शिफ्ट करने की अनुमति दी जाए। दरअसल दीपिका लंबी मैटरनिटी लीव के बाद काम पर वापसी करने वाली हैं। ऐसे में बेटी और काम के साथ बैलेंस बनाने के लिए उन्होंने इस तरह की शर्त रखी थी। इस मामले में नेहा धूपिया समेत कई एक्टर्स ने दीपिका को सपोर्ट किया था। अब इस मामले में सुरवीन चावला भी कूद गई हैं। ई टाइम्स को दिए इंटरव्यू में सुरवीन ने इस मामले पर खुलकर बात की। सुरवीन ने स्ट्रक्चरल चेंज पर बात करते हुए कहा- 'मुझे लगता है कि आज इंडस्ट्री में माहौल माताओं के लिए और अधिक अनुकूल होना चाहिए। खासकर नई माताओं के काम करने के लिए। नई मां बनना कुछ हद तक प्रतिबंधों के साथ आता है; जब बच्चे की बात आती है तो बहुत कुछ करना होता है। हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए और उन्हें इस तरह से समर्थन या समायोजित करने की कोशिश करनी चाहिए जो निर्माताओं और अभिनेता दोनों के लिए काम करे। मुझे नहीं लगता कि यह ऐसा कुछ है जिस पर सवाल उठाया जाना चाहिए। मैं यह भी नहीं जानना चाहती कि ऐसा क्यों हुआ या ऐसा क्यों होना चाहिए। यह बस जरूरत है और ऐसा ही हो। उन्होंने खासतौर पर इस बात पर जोर दिया कि मातृत्व किसी के पैशन या करियर की कीमत पर नहीं आना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मुझए नहीं लगता कि आप किसी से उसका पैशन छीन सकते हैं सिर्फ और सिर्फ इसलिए क्योंकि वो एक मां है और उतना टाइम नहीं दे पाएगी। जब हम शूट पर होते हैं तो ऐसे कई दिन होते हैं जब आप अपने बच्चे, अपने परिवार या अपने माता-पिता की शक्ल नहीं देख पाते ये बहुत ही गलत है। सुरवीन को हाल ही में सीरीज क्रिमिनल जस्टिस में देखा गया था।

सलमान ने उड़ाया तलाक और एलिमनी का मजाक

कॉमेडियन कपिल शर्मा का पॉपुलर नेटफ्लिक्स शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का तीसरा सीजन जल्द आ रहा है। शो का पहला एपिसोड अभी रिलीज नहीं हुआ है, लेकिन उससे जुड़ा एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में सलमान खान पहले मेहमान के तौर पर स्टेज पर नजर आ रहे हैं। कपिल शर्मा के साथ बातचीत में सलमान खान ने रिश्तों और तलाक पर अपनी राय रखी। सलमान खान ने कहा, 'पहले लोग एक दूसरे के लिए सैक्रिफाइस करते थे। अब रात को एक टांग आ जाती है तो उस पर डिवोर्स हो जाता है। खर्राटे ले लेते हैं तो डिवोर्स हो जाता है। छोटी सी मिसअंडरस्टेंडिंग पर डिवोर्स हो जाता है। चलो डिवोर्स हो गया, उसके बाद वो आधे पैसे लेकर भी चली जाती है।' सलमान की इस बात पर नवजोत सिंह सिद्धू और अर्चना पूरन सिंह भी खूब हंसते नजर आए। हालांकि, सलमान के इस बयान के पीछे की पूरी बातचीत का कॉन्टेक्स्ट अभी सामने नहीं आया है। द ग्रेट इंडियन कपिल शो का तीसरा सीजन 21 जून को शुरू होगा। बता दें कि यह शो 30 मार्च 2024 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा है। पहला सीजन 13 एपिसोड के साथ 22 जून 2024 को खत्म हुआ। दूसरा सीजन 21 सितंबर से 14 दिसंबर 2024 तक चला। अब तीसरा सीजन आएगा। शो का फॉर्मेट कपिल के पुराने शोज जैसा ही है। इसमें सेलिब्रिटी मेहमानों के साथ मजेदार बातचीत और कॉमिक एक्ट्स होते हैं। टीम में सुनील ग्रोवर, कीकू शारदा, कृष्णा अभिषेक और राजीव ठाकुर शामिल हैं।

सनी देओल-वरुण धवन की बॉर्डर 2 में हुई सोनम बाजवा की एंट्री

28 साल बाद मेकर्स एक बार फिर से ऑडियंस के रोंगटे खड़े करने की तैयारी कर रहे हैं। जेपी दत्ता के निर्देशन में बनी 1997 में आई सनी देओल-सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना मल्टीस्टारर फिल्म का सीक्वल लेकर आ रहे हैं, जिसकी घोषणा 13 जून 2024 में हुई थी। सनी देओल ने फिल्म 'बॉर्डर-2' का पहला पोस्टर अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था। हालांकि, इस बार उनकी फिल्म में बॉर्डर पर लड़ने वाले फौजियों के चेहरे बदलने वाले हैं, क्योंकि सनी देओल को इस फिल्म के सीक्वल में वरुण धवन-दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी ने ज्वाइन किया है।

ये तीनों तो फिल्म का हिस्सा पहले से ही थे, बॉर्डर 2 की पहली एक्ट्रेस भी फाइनल हो चुकी है। सनी देओल-वरुण धवन स्टारर बॉर्डर 2 में जिस एक्ट्रेस की एंट्री हुई है, वह अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'हाउसफुल-5' में भी नजर आ चुकी हैं। अब तक तो आप समझ गए होंगे कि हम किसकी बात कर रहे हैं, अगर नहीं तो बता दें कि इस देशभक्ति फिल्म को ज्वाइन करने वाली पहली एक्ट्रेस सोनम बाजवा हैं। एंटरटेनमेंट पोर्टल पिंकविला की एक खबर के मुताबिक, पंजाबी एक्ट्रेस सोनम बाजवा फिल्म में मुख्य भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी। इस फिल्म के लिए एक्ट्रेस जून के एंड तक शूटिंग शुरू कर देंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह फिल्म में एक पंजाब की मजबूत लड़की का किरदार अदा करते हुए दिखाई देंगी।

इस एक्टर के साथ बनेगी सोनम की जोड़ी?

इस रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि बॉर्डर 2 में सोनम बाजवा की जोड़ी दिलजीत दोसांझ के साथ बनेगी। जिनके साथ वह हौसला रख, सरदारजी,पंजाब 1984 सहित कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं। बॉर्डर 2 की भले ही स्टारकास्ट नई हो, लेकिन इसमें पुराना गाना 'संदेसे आते हैं' डाला जा रहा है, जिसे सोनू निगम और अरिजीत सिंह अपनी आवाज में गाएंगे। बॉर्डर 2 की रिलीज डेट की बात करें तो ये फिल्म अगले साल 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की कहानी 1971 में इंडिया-पाक वॉर की पृष्ठभूमि पर बेस्ड है।

माइथो ड्रामा 'ईश्वर' में मंदोदरी बनीं रिधिमा तिवारी

'बेगम जान' जैसी फिल्म, टीवी शोज 'क्राइम पेट्रोल', 'ससुराल गेंदा फूल', 'दो दिल एक जान','गुलाम', 'दिव्य दृष्टि' और सीरीज 'तुझपे मैं फिदा' में इंस्पेक्टर की भूमिका के बाद... रिधिमा तिवारी इन दिनों पुनीत इस्सर के साथ एक थिएटर माइथो ड्रामा 'ईश्वर' को लेकर चर्चा में हैं। यह एक हिंदी महानाटक है जिसका टाइटल है 'ईश्वर'। इस शो का पॉइंट ऑफ व्यू रावण का है, जो कि बहुत ही अनोखा है। मैंने पहले कभी ऐसा इलस्ट्रेशन नहीं देखा जहां हर किरदार को अपना पहलू रखने का मौका मिला हो। इस नाटक में मैंने मंदोदरी का किरदार निभाया है। बचपन से मैंने रामायण के कई वर्जन देखे हैं लेकिन कभी भी मंदोदरी को इस तरह से जानने का मौका नहीं मिला। इस प्ले के ज़रिए मुझे मंदोदरी को और ज्यादा समझने का मौका मिला। मुझे ये बातें पता चलीं कि वो रावण से भी ज्यादा इंटेलिजेंट थीं, या कि वो शतरंज में रावण को हरा देती थीं। मंदोदरी की इस बुलंद भूमिका को पहली बार अतुल सत्य कौशिक जी ने ईश्वर महानाटक में प्रस्तुत किया है। मेरा सौभाग्य है कि उन्होंने मुझे इस रोल के लिए चुना। अतुल सत्य कौशिक जी से पहले भी मुझे कई बार थिएटर से जुड़ने के मौके मिले, जब मैं अलग-अलग लोगों के साथ मंच पर आ सकती थी। लेकिन कहते हैं ना, 'होइहि सोइ जो राम रचि राखा' वही होता है जो भगवान राम ने हमारे लिए पहले से तय कर रखा होता है। 2024 मेरे लिए एक अहम मोड़ बनकर आया, जब 'ईश्वर' नाटक के ज़रिए राम नाम से गहरा जुड़ाव हुआ। इससे पहले भी थिएटर से जुड़ने के मौके मिले, लेकिन अतुल सत्य कौशिक जी ने जो विश्वास मुझ पर जताया, वो खास था। मंच पर अनुभवी कलाकार पुनीत जी जैसे दिग्गज के सामने परफॉर्म करना बड़ी बात थी। अनुभव होने के बावजूद लाइव ऑडियंस और पूरी स्क्रिप्ट बोलने में संकोच था, इसलिए मैंने खुद कहा कि मुझे सबसे कम लाइन वाला किरदार दे दीजिए, पर सबने, खासतौर पर अतुल सर ने, मुझ पर मुझसे ज्यादा विश्वास किया।

इंग्लैंड सीरीज से पहले गिल बोले- मुझ पर गंभीर-अगरकर का दबाव नहीं

एजेंसी ● लॉर्ड्स

भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का कहना है कि कप्तान के तौर पर उनके पहले दौरे को लेकर उन पर मुख्य कोच गौतम गंभीर या मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का कोई दबाव नहीं है। गिल को रोहित शर्मा की जगह लाल गेंद प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया गया था। रोहित ने इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट प्रारूप को अलविदा कह दिया था। गिल इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से भारतीय टीम की कप्तानी का जिम्मा संभालेंगे। दिनेश कार्तिक के साथ विशेष बातचीत में गिल ने कहा कि कप्तानी संभालना बड़ी जिम्मेदारी है और उन्हें गंभीर तथा अगरकर की ओर से पूरी आजादी दी गई है जिससे वह लीडर के तौर पर उभर सकें। भारतीय टेस्ट कप्तान ने कहा कि उन्हें खुद से उम्मीदें हैं, लेकिन मुख्य कोच या अगरकर की ओर से उन पर किसी तरह का कोई दबाव नहीं है। गिल ने कहा, उम्मीदों के बारे में मैंने गंभीर भाई और अजीत भाई से कई बार बात की है। वे बस यही चाहते हैं कि मैं एक लीडर के तौर पर खुद को अभिव्यक्त कर सकूं। यही उन्होंने मुझसे कहा है कि 'कोई उम्मीद नहीं है'। वे मुझसे ऐसा कुछ करने की उम्मीद नहीं कर रहे हैं जिसके लिए मैं सक्षम नहीं हूं। उस संदर्भ में, मुझे नहीं लगता कि उनसे कोई उम्मीद या दबाव है, लेकिन एक लीडर और एक खिलाड़ी के तौर पर आपको खुद से कुछ उम्मीदें जरूर होती हैं। इसलिए ये वो उम्मीदें हैं जो मुझे खुद से हैं, लेकिन इन दोनों का कोई दबाव नहीं है।

टेस्ट कप्तान के तौर पर क्या है गिल का लक्ष्य?

गिल ने कहा कि भारतीय टीम के साथ खिताब जीतने के अलावा वह एक ऐसी संस्कृति का निर्माण करना चाहते हैं जहां खिलाड़ी काफी सुरक्षित और खुश महसूस करें। उन्होंने कहा, सभी ट्रॉफियों के अलावा, मैं आदर्श रूप से एक ऐसी संस्कृति का निर्माण करना चाहूंगा जहां हर कोई बहुत सुरक्षित और खुश हो। मुझे पता है कि यह बहुत मुश्किल माहौल हो सकता है, खासकर सभी प्रतियोगिता या जितने मैच हम खेलते हैं और अलग-अलग टीमें आती हैं, लेकिन अगर मैं ऐसा करने में सक्षम हूं, तो यही मेरा लक्ष्य होगा।

राज्य खेल अलंकरण पुरस्कार 2025 के लिए आवेदन आमंत्रित 26 जून अंतिम तिथि

रायपुर। छग शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2023-24 और 2024-25 के लिए राज्य खेल अलंकरण पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 26 जून निर्धारित की गई है।इन पुरस्कारों में शहीद राजीव पाण्डे, शहीद कौशल यादव, शहीद पंकज विक्रम, शहीद विनोद चौबे, वीर हनुमान सिंह सम्मान के साथ-साथ मुख्यमंत्री ट्रॉफी, प्रोत्साहन स्वरूप नगद राशि, खेलवृत्ति और प्रेरणा निधि शामिल हैं। पुरस्कारों का उद्देश्य राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को प्रोत्साहित करना है। चयन पात्रता, उपलब्धियों और खेल संघों की अनुशंसा के आधार पर किया जाएगा। शहीद राजीव पाण्डे पुरस्कार में 3 लाख, शहीद कौशल यादव और वीर हनुमान सिंह पुरस्कार 1.5 लाख, पंकज विक्रम व विनोद चौबे सम्मान 25 हजार, मुख्यमंत्री ट्रॉफी टीम सदस्य संख्या के अनुसार 1 लाख से 5 लाख रुपए तक की पुरस्कार प्रदान की जाएगी। राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता, राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन, सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग के खिलाड़ी, डाईट मनी के लिए अधिकतम आयु 19 वर्ष के खिलाड़ी आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए विभाग की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। जिला अथवा राज्य खेल कार्यालय से भी आवेदन लिए जा सकते हैं। शहीद पंकज विक्रम सम्मान के आवेदन केवल राज्य खेल संघों की अनुशंसा के साथ स्वीकार होंगे। इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन 26 जून 2025 तक कार्यालयीन समय में संचालनालय, खेल एवं युवा कल्याण, सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, जी.ई. रोड, रायपुर अथवा जिला खेल कार्यालय रायपुर में कर सकते है।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में हुई इस रेसलर की वापसी, दोस्तों ने दिया था धोखा

नई दिल्ली: डब्ल्यूडब्ल्यूई के एक सुपरस्टार ने रिंग में वापसी की है। उन्हें इस महीने की शुरूआत में एक गुट से धोखा देकर बाहर कर दिया गया था। उन्होंने जामर हैम्पटन के खिलाफ सिंगल्स मैच में बड़ी जीत हासिल की। जामर हैम्पटन हहए परफॉर्मेंस सेंटर के सबसे होनहार प्रतिभाओं में से एक हैं। यह सुपरस्टार रेसलर कोई और नहीं बल्कि ब्रूक्स जेन्सन हैं। ब्रूक्स जेन्सन ने 14 जून को एक ठळ लाइव इवेंट में वापसी की और जामर हैम्पटन को हराया। जेन्सन पहले शॉन स्पीयर्स के साथ द कलिंग के सदस्य थे। ठळ यूके टैग टीम के पूर्व चैंपियन को जोश ब्रिग्स के खिलाफ नो-डिस्क्वालिफिकेशन मैच के दौरान स्पीयर्स से पहली बार मदद मिली। जेन्सन पहली बार अपने करियर में हील बने और ठळ के अगले एपिसोड में स्पीयर्स को अपने गुरु के रूप में स्वीकार किया। द कलिंग के सदस्य के रूप में, उन्होंने एशांटे थी एडोनिस को भी सिंगल्स मैच में हराया। बाद में जेन्सन और स्पीयर्स ने इज्जी डेम और निको वेंस को भी अपने गिरोह में शामिल कर लिया।

टेम्बा बावुमा ने तोड़ा टेस्ट क्रिकेट का 100 साल पुराना रिकॉर्ड

बने दुनिया के सबसे बड़े कप्तान!

एजेंसी ● नई दिल्ली

टेम्बा बावुमा ने अपनी कप्तानी में साउथ अफ्रीका को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब दिलाकर इतिहास रच दिया। टेम्बा की कप्तानी में साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया। इस तरह बावुमा साउथ अफ्रीका के लिए हळउ जीतने वाले पहले कप्तान भी बने। इसके साथ ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 100 साल पुराने रिकॉर्ड को भी ध्वस्त कर दिया। बावुमा साउथ अफ्रीका के लिए 10 वें टेस्ट मैच में कप्तानी करने मैदान पर उतरे थे। बावुमा की कप्तानी में साउथ अफ्रीका को 9वें टेस्ट में जीत मिली।

इसके साथ ही वह पहले 10 टेस्ट मैचों में दुनिया के सबसे सफल कप्तान बन गए हैं। टेम्बा बावुमा की कप्तानी में साउथ अफ्रीका को अभी तक एक भी टेस्ट में हार नहीं मिली है। सिर्फ इतना ही नहीं, साउथ अफ्रीका ने बावुमा की कप्तानी में लगातार 8 टेस्ट मैचों में जीत हासिल की। उसके बाद एक मैच ड्रॉ हुआ और फिरऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हळउ में फाइनल में टीम ने 9वीं जीत हासिल की। इस मामले में बावुमा ने अब इंग्लैंड के पूर्व कप्तान सीं चैपमैन के रिकॉर्ड को तोड़ा है।बता दें कि बावुमा से पहले टेस्ट क्रिकेट में पहले 10 मैचों में कप्तानी करते हुए सबसे ज्यादा जीत का रिकॉर्ड इंग्लैंड के पर्सी चैपमैन के नाम था। चैपमैन ने साल 1926 में इंग्लैंड के लिए 10 में से 9 टेस्ट मैच जीते थे, लेकिन उन्हें एक में हार मिली थी। वहीं बावुमा ने भी अपनी कप्तानी में साउथ अफ्रीका को 10 में 9 मैचों में जीत दिलाई है, लेकिन टीम को इस दौरान एक भी हार नहीं मिली है।

सिर्फ इतना ही नहीं, बावुमा ने रिकी पोंटिंग, विराट कोहली और एमएस धोनी जैसे दिग्गजों को भी पीछे छोड़ दिया है। रि-की पोंटिंग ने अपने पहले 10 मैचों में 8 जीत, 1 ड्रॉ और 1 हार हासिल की थी। विराट कोहली ने कप्तान के तौर पर अपने पहले 10 मैच में से सिर्फ 6 में जीते थे। कोहली की कप्तानी में टीम इंडिया को 3 ड्रॉ खेले और 1 में हार मिली थी। वहीं एमस धोनी अपने पहले 10 मैचों में अजेय रहे थे। उन्होंने 5 मैच जीते और 5 ड्रॉ खेले थे।

मुझसे गलती हुई... एबी डिविलियर्स ने बताया क्यों विराट कोहली ने उनसे बात करना बंद किया था

एजेंसी ● लॉर्ड्स

नई दिल्ली: विराट कोहली और साउथ अफ्रीका के पूर्व दिग्गज एबी डिविलियर्स दोनों बहुत अच्छे दोस्त हैं। विराट और डिविलियर्स लंबे समय तक साथ आरसीबी में खेले हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी आया जब डिविलियर्स की एक भूल के कारण विराट कोहली ने उनसे बातचीत बंद कर दी थी। खुद डिविलियर्स ने अब इसका खुलासा किया है। हालांकि, अब दोनों के बीच सुलह हो गई है और आईपीएल 2025 के फाइनल में विराट और डिविलियर्स एक-दूसरे गले मिलते हुए भी दिखे। डिविलियर्स ने खुद माना है कि उन्होंने एक बड़ी गलती कर दी थी, जिसके कारण शायद विराट कोहली उनसे नाराज थे, लेकिन अब सब कुछ ठीक है।

दरअसल हुआ ये था कि विराट कोहली पिछले साल निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में नहीं खेले थे। विराट कोहली के इस फैसले की खूब आलोचना हुई थी। विराट कोहली के इस फैसले पर एबी डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर उनका बचाव किया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि कोहली नेशनल टीम से इसलिए दूर हैं क्योंकि वह और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। डिविलियर्स के इस बयान के बाद यह खबर आग की तरह फैल गई।एबी डिविलियर्स को जैसे ही अपनी गलती का एहसास हुआ उन्होंने अपने बयान को वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि उनसे 'एक बड़ी गलती' हो गई थी। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि, 'परिवार पहले आता है और फिर क्रिकेट। मैंने अपने चैनल पर एक भयानक गलती की। वह जानकारी गलत थी और सच नहीं थी। विराट कोहली को पारिवारिक कारणों से नेशनल ड्यूटी से ब्रेक लेने का पूरा अधिकार है। मुझे लगता है कि विराट के परिवार के लिए जो सबसे अच्छा है वह पहले आता है। कोई नहीं जानता कि वहां क्या हो रहा है। मैं केवल उन्हें शुभकामनाएं दे सकता हूं। उनके ब्रेक का कारण जो भी हो मुझे उम्मीद है कि वह इससे मजबूत, बेहतर और तरोताजा होकर वापस आएंगे।'हालांकि, एबी डिविलियर्स का खुलासा सच था। कोहली और अनुष्का शर्मा ने 15 फरवरी, 2024 को अपने दूसरे बच्चे अकाय के माता-पिता बने। डिविलियर्स ने कोहली के बारे में जो कुछ भी कहा उससे पता चलता है कि वह कोहली का कितना सम्मान करते हैं। उन्होंने कोहली को एक महान खिलाड़ी और एक अच्छा इंसान बताया। डिविलियर्स ने यह भी कहा कि वह कोहली के साथ फिर से बात करके बहुत खुश हैं।

3 ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का करियर तबाह होना तय! अब शायद ही अगला WTC फाइनल खेल पाए

एजेंसी ● नई दिल्ली

साउथ अफ्रीका के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को करारी हार का सामना करना पड़ा। कंगारू टीम को ये हार सालों तक चुभेगी। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच यह हळउ फाइनल का यह मुकाबला लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया था। ऐसे में आइए जानते हैं ऑस्ट्रेलियाई के उन तीन खिलाड़ियों के बारे में जिन्हें शायद ही अब हळउ के फाइनल में खेलने का मौका मिल पाए अगर उनकी टीम खिताबी भिड़ंत के लिए मैदान पर उतरती है तो।साउथ अफ्रीका के खिलाफ लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में उस्मान ख्वाजा बुरी तरह से फ्लॉप रहे। ख्वाजा का इस खिताबी मुकाबले में नहीं चल पाना ऑस्ट्रेलिया के हार का एक बड़ा कारण था। उस्मान ख्वाजा की उम्र में 38 साल हो चुकी है। अगले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल तक वह 40 साल के हो जाएंगे। ऐसे में अगर ऑस्ट्रेलियाई टीम फिर से हळउ के फाइनल में पहुंचती है तो ख्वाजा शायद ही खेल पाएं। क्योंकि लंबे समय से टीम में उनकी जगह को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसके अलावा बढ़ती उम्र के साथ फिटनेस और फॉर्म भी उनके लिए एक बड़ी चुनौती होगी।इस लिस्ट में दूसरा नाम नाथ लायन का हो सकता है। इसमें कोई शक नहीं है कि नाथन लायन इस समय ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट में सबसे बड़े स्पिन गेंदबाज हैं, लेकिन साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में नाथन लायन बुरी तरह से फेल रहे। उन्हें दोनों पारियों में एक भी विकेट नहीं मिला। ऐसे में अगर ऑस्ट्रेलियाई टीम अगली बार हळउ के फाइनल में पहुंचती है तो हो सकता है कि उन्हें खेलने का मौका नहीं मिल पाए। क्योंकि बिना पिच से मदद के लायन बिल्कुल भी प्रभावी नहीं रहे हैं।ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक स्टीव स्मिथ पर भी तलवार लटक सकती है। स्मिथ भी साउथ अफ्रीका के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में कुछ खास कमाल नहीं कर पाए। इसके अलावा स्मिथ लगातार फॉर्म की समस्याओं से जूझते रहे हैं। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम चाहेगी कि वह भविष्य को ध्यान में रखते हुए स्मिथ का विकल्प तलाशे। यही कारण है कि अगर ऑस्ट्रेलियाई टीम अगले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचती है तो शायद ही उन्हें खेलने का मौका मिल पाए।

लक्ष्मण को मिली टीम इंडिया में बड़ी जिम्मेदारी, गौतम गंभीर के आने तक करेंगे ये काम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज वीवीएस लक्ष्मण इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारी की निगरानी करेंगे। वे गौतम गंभीर की गैरमौजूदगी में यह जिम्मेदारी निभाएंगे। टीम इंडिया के हेड कोच गंभीर अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए टेस्ट सीरीज से ठीक पहले इंग्लैंड से रवाना हो गए हैं। वहीं नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) के प्रमुख लक्ष्मण पहले से ही अंडर-19 टीम के इंग्लैंड दौरे से पहले लंदन में हैं।

'रेवस्पोर्ट्ज' की रिपोर्ट के मुताबिक वीवीएस लक्ष्मण गंभीर के वापस आने तक टीम इंडिया की तैयारी की निगरानी करेंगे। लक्ष्मण पहले भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक टी20कसीरीज में भारतीय क्रिकेट टीम का मार्गदर्शन कर चुके हैं। हालांकि, अभी यह नहीं बताया गया है कि गौतम गंभीर कब इंग्लैंड वापस जाएंगे। ऐसे में जब तक गंभीर नहीं आ जाते हैं सब कुछ लक्ष्मण की निगरानी में होगा। बता दें कि भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच 20 जून को खेला जाएगा।इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के शुरू होने से पहले पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर माइकल क्लार्क ने भी टीम इंडिया को लेकर प्रतिक्रिया दी है। क्लार्क का मानना है कि भारत सुरक्षित हाथों में है और उसके पास इंग्लैंड को हराने के लिए पर्याप्त प्रतिभा है, लेकिन यह सब इस बात पर निर्भर करेगा कि युवा दिख रही टीम सीरीज में मुश्किल माने जाने वाले एरिया में कैसा प्रदर्शन करती है।

बता दें कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट फॉर्मेट से संन्यास लेने के बाद भारत ने एक नए युग की ओर पहला कदम बढ़ा दिया है। शुभमन गिल को रोहित का उत्तराधिकारी बनाया गया है। ऋषभ पंत उनके उप-कप्तान होंगे। इन दो बड़े बल्लेबाजों के अलावा, भारत रविचंद्रन अश्विन के बिना भी खेलेगा। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बीच में ही संन्यास ले लिया था।

कैलिफोर्निया के इंगलवुड में डोमिनिकन गणराज्य के खिलाफ कॉनकाकैफ गोल्ड कप फुटबॉल मैच से पहले टीम मैक्सिको के सदस्य पोज देते हुए।

क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी! रायपुर में होगा भारत-न्यूजीलैंड का टी-20 मुकाबला

खेलसंवाददाता ● रायपुर

क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है. रायपुर के क्रिकेट स्टेडियम को चौथी बार इंटरनेशनल मैच की मेजबानी का सुनहरा मौका मिला है. न्यूजीलैंड की टीम जल्द ही भारत के दौरे पर आने वाली है. इस दौरे में न्यूजीलैंड तीन वनडे और 5 टी-20 मुकाबलों की सीरीज खेलेगी. सभी मुकाबले अलग-अलग वेन्यू में खेले जानें हैं. एक मैच रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में भी खेला जाएगा.भारतीय टीम साल 2026 की शुरूआत तीन वनडे मैचों से करेगी, जिसमें उसका सामना न्यूजीलैंड की टीम से होगा. वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 11 जनवरी को खेला जाना है. इस सीरीज के के बाद दोनों टीमें 5 मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलेगी. रायपुर का शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत-न्यूजीलैंड के बीच टी-20 मुकाबला खेला जाएगा. दोनों टीमों के बीच टी20 सीरीज का पहला मैच 21 जनवरी को नागपुर के मैदान पर खेला जाएगा तो वहीं दूसरा मुकाबला 23 जनवरी को रायपुर के इंटरनेशल स्टेडियम में होगा. वहीं तीसरा मैच 25 जनवरी को गुवाहटी के मैदान पर होगा.

!! श्रीकृष्ण शरणंमम!!
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, सोमवार, 16 जून, 2025
www.adityabharat.com

बाटू, इथियोपिया। दो मछुआरे पारंपरिक हस्तनिर्मित डोंगी पर सवार होकर सुबह-सुबह डेम्बेल झील पर रवाना हुए। यह इथियोपिया की सेंट्रल रिफ्ट वैली झीलों में से एक है, जो लंबे समय से अत्यधिक उपयोग और प्रदूषण से प्रभावित है।

शॉर्ट न्यूज

अमेरिका में दो सांसदों को उनके घर में मारी गोली

वॉशिंगटन। दो अमेरिकी सांसदों सीनेटर जॉन हॉफमैन और रिप्रेजेंटेटिव मेलिसा हॉर्टमैन के साथ-साथ उनके लाइफपार्टनर को चैंपलिन और ब्रुकलिन में स्थित उनके घरों में गोली मार दी गई। फिलहाल उनकी हालत कैसी है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। सूत्रों ने फॉक्स न्यूज को बताया कि संदिग्ध व्यक्ति पुलिस ऑफिसर बनकर आया था। ब्रुकलिन पार्क से डेमोक्रेट हॉर्टमैन डिस्ट्रिक्ट 34बी का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसी तरह से, चैंपलिन से डेमोक्रेट हॉफमैन सीनेट डिस्ट्रिक्ट 34 की अगुवाई करते हैं। चोटों की गंभीरता का तुरंत पता नहीं चल पाया है, और अधिकारियों ने अभी तक पुष्टि नहीं की है कि सांसद हमले के शिकार थे या नहीं। गोलीबारी के बाद मिनेसोटा में इमरजेंसी रिस्पॉन्स को एक्टिव कर दिया गया है और सभी अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं।

शनि शिंगणापुर मंदिर से निकाले 167 कर्मचारी, इनमें 114 मुस्लिम

नासिक। महाराष्ट्र के अहमदनगर (अब अहिल्यानगर) जिले स्थित प्रसिद्ध शनि शिंगणापुर मंदिर के ट्रस्ट 'श्री शनैश्चर देवस्थान' ने हाल ही में 167 कर्मचारियों को अनुशासनात्मक कारणों से नौकरी से हटा दिया है। हटाए गए कर्मचारियों में से 114 यानी करीब 68% मुस्लिम हैं। हालांकि ट्रस्ट ने अपने आधिकारिक बयान में धार्मिक आधार पर भेदभाव से इनकार किया है और बताया कि यह कदम कर्मचारियों के खराब प्रदर्शन और लंबे समय से अनुपस्थित रहने के कारण उठाया गया है। यह छटनी दो चरणों में की गई है। पहले चरण में 8 जून को इन्हें नौकरी से निकाला गया। दूसरा चरण 13 जून को संपन्न हुआ। ये कर्मचारी पिछले 2 से 10 वर्षों से मंदिर ट्रस्ट से जुड़े हुए थे। इस कार्रवाई से पहले 'सकल हिंदू समाज' नामक संगठन ने 14 जून को प्रदर्शन की चेतावनी दी थी। संगठन ने मंदिर परिसर में गैर-हिंदू कर्मचारियों को हटाने की मांग की थी।

इजरायली हमले के पलटवार में ईरान का ऑपरेशन 'ट्रू प्रॉमिस 3'

IDF ने खिलौनों की तरह उड़ा दीं मिसाइलें और ड्रोन

तेलअवीव ● एजेंसी

हमला

इजरायल के ऑपरेशन राइजनिंग लॉयन से बौखलाए ईरान ने इजरायल के खिलाफ अपना ऑपरेशन 'ट्रू प्रॉमिस 3' लॉन्च किया. जिसमें ईरान ने सीधे इजरायल के रिहायशी इलाकों की ओर सैकड़ों मिसाइलों को मुंह खोल दिया। ईरानी हमले में 3 मौते हुईं और 90 लोग घायल हो गए। इससे पहले इजरायल के मिलिट्री ऑपरेशन में ईरान के 4 परमाणु ठिकानों समेत 6 सैन्य अड्डों पर किया हमला. जिसमें 6 परमाणु वैज्ञानिकों, 4 बड़े मिलिट्री कमांडरों समेत 78 लोगों की मौत हुई थी। इजरायली हमले में ईरान के 350 लोगों के घायल होने का दावा किया गया था।

आईडीएफ ने नाकाम किए हमले - ऑपरेशन राइजिंग लॉयन गुरुवार की रात शुरु हुआ जिसमें ईरान के चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद बाघेरी और प्रमुख परमाणु वैज्ञानिक मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने बदला लेने की कसम खाई और अपनी मस्जिद में लाल झंडा टांग कर बदला लेने का ऐलान किया। ईरान की कई कोशिशों के बावजूदउसके हर हमलों को इजरायल ने पलभर में चुटकी बजाते हुए रोक दिया। ईरान का ड्रोन हमला और मिसाइल हमला सब इजरायली फौजों (IDF) ने नाकाम कर दिया।

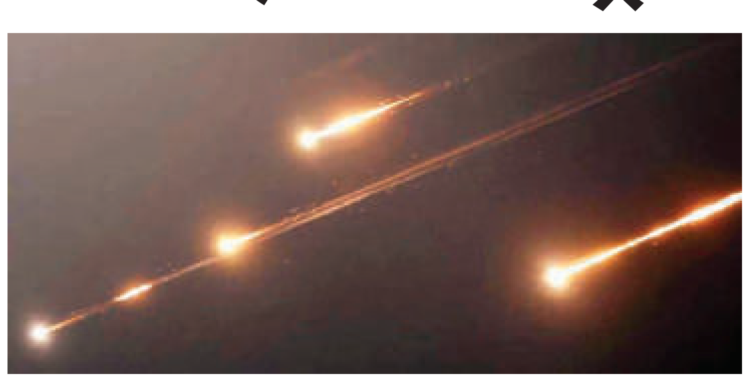

फिलिस्तीन में मना जश्न

नेतन्याहू और खामेनेई के बीच जंग में दोनों देशों की एक दूसरे को धमकी दी है। खामेनेई ने कहा है कि इज़रायल ने बहुत बड़ी गलती की है तो इज़रायल ने कहा तुम्हारे ऐसे बहुत देखे हैं। नेतन्याहू ने ईरान के लोगों को कट्टरपंथी सैन्य कमांडरों से आजादी मिलने पर अपनी आज़ादी का जश्न मनाने के लिए सड़कों पर उतरने को कहा है। वहीं इजरायल पर ईरान के हमले के बाद फिलिस्तीन ने ईरान को थैंक्यू बोलते हुए, जश्न मनाया है।

हमले जारी रहेंगे : इजरायल

इजरायली पीएम नेतन्याहू ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'ईरान का उद्देश्य इजरायल को खत्म करना है। हमने अपने सेल्फ डिफेंस में इस 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' शुरू किया। हमले के बाद इजरायली सैन्य प्रमुख ने कहा कि देश अपनी सभी सीमाओं पर पूरी तरह से तैयार है। दुश्मनों को कड़ी चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा, 'हम सभी सीमाओं पर तैयार हैं.। मैं चेतावनी देता हूं कि जो भी हमें चुनौती देने की कोशिश करेगा, उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। नेतन्याहू ने कहा कि जब तक इजरायल अपना मिशन पूरा नहीं कर लेता तब तक कार्रवाई जारी रहेगी।

ब्रिटेन-अमेरिका-फ्रांस को चेतावनी

मध्य पूर्व में युद्ध के हालात उस समय और भयावह हो गए जब ईरान ने दावा किया कि यदि अमेरिका, ब्रिटेन या फ्रांस ने इज़राइल की मदद की तो वह इन देशों के मध्य पूर्व स्थित सैन्य ठिकानों पर हमला करेगा। ईरान ने साफ कहा है कि अगर अमेरिका, ब्रिटेन या फ्रांस इजराइल की मदद करते हैं या ईरान के हमलों को रोकने की कोशिश करते हैं, तो ईरान उनके मध्य-पूर्व में मौजूद सैन्य अड्डों पर हमला करेगा। ईरान ने हमले को कायराना बताया तो इजरायल ने इसे अपनी जीत कहा है। इस हमले को लेकर नेतन्याहू ने पीएम मोदी से फोन पर बात की है।

अयोध्या में एक हजार कैमरे, सिविल लाइंस में कंट्रोल रूम

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में भगवान राम की नगरी अयोध्या को स्मार्ट और सुरक्षित शहर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अयोध्या नगर निगम ने योगी सरकार की स्मार्ट सिटी पहल के तहत एक महत्वाकांक्षी मास्टर प्लान तैयार किया है, जिसके अंतर्गत इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमांड सेंटर (आईसीसीसी) स्थापित किया जाएगा। योगी सरकार के नियोजन विभाग ने इस योजना को मंजूरी दे दी है और जल्द ही इसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू होगी। इस परियोजना के लिए 56 करोड़ रुपए की लागत से अयोध्या और फैजाबाद में एक हजार सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। पुलिस विभाग के सहयोग से शहर के संवेदनशील और प्रमुख स्थानों पर कैमरे स्थापित किए जाएंगे।

इजरायल ने कश्मीर को गलत नक्शे में दिखाया, मांगी माफी

नई दिल्ली। इज़राइल रक्षा बलों (IDF) ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक नक्शा साझा किया, जिसमें जम्मू-कश्मीर को गलत तरीके से पाकिस्तान का हिस्सा और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों को नेपाल में दिखाया गया। यह नक्शा ईरान के मिसाइल दायरे को दर्शाने के लिए पोस्ट किया गया था, जो इज़राइल-ईरान तनाव के बीच 'ऑपरेशन राइज़िंग लायन' के बाद सामने आया। भारतीय सोशल मीडिया यूज़र्स ने इस गलती पर तीखी प्रतिक्रिया दी, कुछ ने इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को टैग कर इसे भारत की संप्रभुता का अपमान बताया। भारतीय राइट विंग कम्युनिटी जैसे यूज़र्स ने लिखा, "अब समझ आया कि भारत तटस्थ क्यों रहता है। कूटनीति में कोई सच्चा दोस्त नहीं होता।

भारत के पास होगा अपना S-500 और थाड बना रहा

'सुदर्शन चक्र' जैसा डिफेंस सिस्टम

नई दिल्ली ● एजेंसी

मजबूत

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत ने जिस तरह से पाकिस्तान के मिसाइलों और ड्रोन को हवा में ही खत्म कर दिया, उससे यह साबित हो गया कि भारत का एयर डिफेंस सिस्टम कितना मजबूत है। लेकिन भारत अब और भी खतरनाक तरीके से इसकी ताकत बढ़ाने में लगा है। दरअसल, पाकिस्तान के साथ ही भारत को चीन से भी मुकाबला करना पड़ सकता है और इसीलिए उसे अपने एयर डिफेंस को इतना पावरफुल बनाना होगा, जिससे कि दुश्मनों की कोई भी मिसाइल हमारी सीमा में घुसते ही तबाह हो जाए। इस पर काम भी शुरू हो गया है।

भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के प्रमुख ने 8 जून, 2025 को घोषणा की कि प्रोजेक्ट कुशा रूस के S-500 के बराबर है और ताकत में S-400 से आगे है। यह इसे भारत के एयर डिफेंस के लिए एक 'गेम-चेंजर' के रूप में स्थापित करता है। इसे 80-90% इंटरसेप्शन सक्सेस रेट के साथ स्टील्थ जेट, ड्रोन, विमान और मैक 7 एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइलों का मुकाबला करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। प्रोजेक्ट कुशा डीआरडीओ द्वारा विकसित की जा रही एक महत्वाकांक्षी स्वदेशी लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (एयर डिफेंस सिस्टम) है। इसे विस्तारित रेंज एयर डिफेंस सिस्टम (ERADS) या प्रेसिजन-गाइडेड लॉन्ग-रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (PGLRSAM) के रूप में भी जाना जाता है। प्रोजेक्ट कुशा 80 किलोमीटर एमआर-एसएएम और 400 किलोमीटर एस-400 के बीच की खाई को पाटता है, जो आकाश और बराक-8 जैसे सिस्टम के साथ इंटीग्रेटेड है। यह भारत की आत्मनिर्भरता पहल, 'आत्मनिर्भर भारत' का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। घरेलू समाधान का उद्देश्य क्षेत्रीय खतरों, विशेष रूप से पाकिस्तान और चीन से सुरक्षा को मजबूत करके भारत के हवाई क्षेत्र को हवाई खतरों से बचाना है। अनुमान लगाया जा रहा है कि 2028-2029 तक यह डिफेंस सिस्टम तैयार हो जाएगा, जिसके बाद यह भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और भारतीय नौसेना की ताकत को कई गुना बढ़ा देगा।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)